राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

लोक शक्ति

हिमाचल के मंडी में भूस्खलन से तबाही

महाराष्ट्र : पालघर में बड़ा हादसा, चार मंजिला इमारत ढही, 15 की मौत, कई और लोगों के दबे होने की आशंका

RNI Regn. No.7789/1964 | वर्ष-61 > अंक - 244 | रायपुर | शुक्रवार 29 अगस्त 2025 विक्रम संवत 2082 | पृष्ठ 8 > मूल्य : 2 रू. | डाक पंजीयन : C.G./RYP DN/71/2023-25

जम्मू-कश्मीर : एलओसी के पास घुसपैठ की कोशिश नाकाम, सेना की कार्रवाई में 2 आतंकी ढेर

श्रीनगर । जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा जिले के गुरेज सेक्टर में गुरुवार सुबह भारतीय सेना ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए दो आतंकवादियों को मार गिराया। दोनों आतंकवादी भारतीय क्षेत्र में घुसपैठ की कोशिश कर रहे थे।

सेना की चिनार कॉर्प्स ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर जानकारी देते हुए बताया कि यह कार्रवाई जम्मू-कश्मीर पुलिस से मिली खुफिया सूचना के आधार पर की गई। सेना और पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में यह सफलता मिली है। सेना के मुताबिक, तैनात सैनिकों ने सीमावर्ती इलाके में संदिग्ध गतिविधियों को भांपा और घुसपैठियों को ललकारा। इसके बाद आतंकियों ने अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी, जिसका सेना ने मुंहतोड़ जवाब दिया। जवाबी कार्रवाई में दोनों आतंकी मारे गए। हालांकि, क्षेत्र में तलाशी अभियान अब भी जारी है। गौरतलब है कि अगस्त की शुरुआत में भी अखल क्षेत्र में दो आतंकवादियों को मार गिराया गया था। इसके अलावा, 30 जुलाई को भी सेना ने पुंछ इलाके में लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े दो आतंकियों को ढेर कर दिया था।

आर्थिक संकट के दौरान भारत की मदद पर श्रीलंका ने धन्यवाद और आभार व्यक्त किया

श्रीलंका ने हिंद महासागर क्षेत्र में शांति और स्थिरता के लिए भारत की भूमिका की सराहा

श्रीलंका-भारत संसदीय मैत्री संघ का 24 सदस्यीय उच्चस्तरीय शिष्टमंडल भारत की संसद में अध्ययन दौरे पर

एजेंसी

लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने आज श्रीलंका-भारत संसदीय मैत्री संघ के 24 सदस्यीय शिष्टमंडल से संसद भवन मे औपचारिक भेंट की। इस शिष्टमंडल का नेतृत्व श्रीलंका के स्वास्थ्य एवं जनसंचार मंत्री तथा श्रीलंका-भारत संसदीय मैत्री संघ के अध्यक्ष डॉ. नलिन्दा जयतिस्सा ने किया। बैठक के दौरान माननीय अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करते हुए कहा कि ÷भारत और श्रीलंका के बीच गहरे ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और सभ्यतागत संबंध रहे हैं। यह संबंध आज एक मजबूत बहुआयामी साझेदारी में बदल चुके हैं। भारत की 'नेबरहुड फर्स्ट' नीति और 'विजन सागर' में श्रीलंका का विशेष महत्व है।÷

भारत और श्रीलंका के बीच हाल के वर्षों में हुए उच्चस्तरीय आदान-प्रदानों का उल्लेख करते हुए श्री बिरला ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अप्रैल 2025 की श्रीलंका यात्रा और श्रीलंका के राष्ट्रपति श्री अनुरा कुमारा दिसानायके की दिसंबर 2024 की भारत यात्रा को दोनों देशों के संबंधों में मील का पत्थर बताया।

श्री बिरला ने श्रीलंका की वर्तमान संसद में भारत-श्रीलंका संसदीय मैत्री संघ की स्थापना का स्वागत करते हुए कहा कि यह द्विपक्षीय संबंधों की मजबूती का स्पष्ट प्रमाण है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों की संसदों के बीच संस्थागत सहयोग और नियमित संवाद की आवश्यकता है, जिससे लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं और जनप्रतिनिधियों के अनुभव साझा किए जा सकें। दोनों देशों की संसदों के बीच आपसी संवाद और अनुभवों का आदान-प्रदान लोकतांत्रिक मूल्यों को और अधिक सुदृढ़ करेगा।

श्री बिरला ने कहा कि दोनों देशों की साझी विरासत हजारों वर्षों पुरानी है। उन्होने कहा कि भारत और श्रीलंका के द्विपक्षिय संबंधों मे गहरे सांस्कृतिक और लोगों के बीच आपसी संबंध, महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। लोकसभा अध्यक्ष ने रामायण और बौद्ध पर्यटन सर्किटों के विकास, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और लोगों के बीच बढ़ते संपर्क को द्विपक्षीय संबंधों की सुदृढ़ता का आधार बताया।

लोक सभा अध्यक्ष ने कहा कि भारत की संसद में AI Technology का प्रयोग और डिजिटल इनोवेशन से पारदर्शिता, दक्षता और सुगमता बढ़ी है और Paperless Proceedings को बढ़ावा मिला है। श्री बिरला ने 110 से अधिक देशों के विधायकों के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित करने में PRIDE की भूमिका को साझा किया और कहा कि भारत इन नवाचारों को अन्य देशों के साथ साझा करने के लिए तैयार है।

श्रीलंका के स्वास्थ्य एवं जनसंचार मंत्री तथा श्रीलंकाई प्रतिनिधिमंडल के अध्यक्ष डॉ. नलिन्दा जयतिस्सा ने श्रीलंका में आर्थिक संकट के दौरान प्रथम प्रतिक्रियादाता के रूप में सहायता के लिए भारत को धन्यवाद दिया । डॉ. नलिन्दा जयतिस्सा ने हिंद महासागर क्षेत्र में शांति और स्थिरता के लिए भारत की भूमिका की सराहना की । उन्होंने स्वास्थ्य व शिक्षा क्षेत्र में भारत के सहयोग को श्रीलंका के लिए बताया। भारत और श्रीलंका के बीच वर्तमान सहयोग अब निवेश आधारित विकास, अनुदान सहायता, व्यापार, पर्यटन, शिक्षा और सांस्कृतिक आदान-प्रदान पर केन्द्रित है।

पंजाब के 7 जिलों में बाढ़, सेना पहुंची

एजेंसी

नई दिल्ली. पंजाब में बारिश के कारण 7 जिले और 150 से ज्यादा गांव बाढ़ आ गई है. रावी-ब्यास व सतलुज नदी का जलस्तर बढ़ा हुआ है. राज्य में 30 अगस्त तक सभी स्कूल बंद हैं. राज्य के अजनाला में रेस्क्यू ऑपरेशन की जिम्मेदारी सेना ने संभाल ली है. इस दौरान एम्फीबियस गाडियों से लोगों को निकाला जा रहा है. इनकी विशेषता है कि ये जमीन और पानी दोनों पर चलने में सक्षम हैं. **जम्मू कश्मीर में बारिश से 42 की मौत-** जम्मू.कश्मीर में बारिश से जुड़ी दुर्घटनाओं में 41 लोगों की मौत हो गई. जम्मू में झेलम और दिल्ली में यमुना खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं. इसके चलते निचले इलाकों में अलर्ट जारी किया गया है.

चंडीगढ़-मनाली हाईवे पर लैंडस्लाइड- हिमाचल प्रदेश में लगातार बारिश के कारण जनजीवन बेहाल है. देर रात भारी बारिश से चंडीगढ़-मनाली हाईवे पर लैंडस्लाइड हुई है. राज्य के 3 जिलों में 2000 से ज्यादा टूरिस्ट फंसे हैं.राज्य में बाढ़ और बारिश की घटनाओं में अब तक 310 लोगों की मौत हो चुकी है. 369 लोग घायल हैं और 38 लापता हैं. 1240 से ज्यादा घरों को नुकसान पहुंचा है. इनमें 331 घर पूरी तरह से टूट चुके हैं.

कर्नाटक के बीदर में मंजीरा नदी उफ ान पर- कर्नाटक में भारी बारिश के कारण बीदर जिले में मंजीरा नदी उफ ान पर आ गई है. जिससे बाढ़ जैसी स्थिति पैदा हो

कांग्रेस गाली वाली पार्टी, कूट-कूट के भरा है अहंकार

एजेंसी - भाजपा सांसद संबित पात्रा ने कहा- जिस प्रकार से बिहार में एक यात्रा चल रही है और उसने जैसी भाषा का प्रयोग हो रहा है उसको लेकर मै दुख के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रहा हूं। आज भाषा की मर्यादा तार-तार हो रही है। प्रधानमंत्री और उनकी माता जी को लेकर जिस प्रकार की भाषा का इस्तेमाल हो रहा है उनको शर्मसार होना चाहिए। आज कांग्रेस गांधी जी की पार्टी नहीं गाली वाली पार्टी बन गई है। नकली गांधी वाली पार्टी है। उनको लगता है भारतवर्ष उन्हीं का है और उनको गद्दी नहीं मिलती है तो जो लोकतांत्रिक रूप से चुनकर आता है उनको मां की गाली भी देते हैं। बिहार की जनता ऐसी भाषा को देख रही है और इसका जवाब भी देगी। राहुल गांधी लगातार पिछले कुछ दिनों से प्रधानमंत्री को तू कहकर बात कर रहे हैं। राहुल गांधी प्रधानमंत्री 140 करोड़ लोगों के प्रधानमंत्री हैं। अमर्यादित और अभद्र भाषा को भारत पसंद नहीं करता है। सत्र के दौरान भी चोर चोर शोर मचाया गया। खुद स्पीकर साहब ने भी भाषा पर सवाल उठाया गया था। पहली बार ऐसी भाषा का इस्तेमाल नहीं किया गया। मौत के सौदागर, नीच , नाली का कीड़ा जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया गया है। उसके बाद भी ये कहते हैं हिटलर शाही चल रही है।

संभल डेमोग्राफी में बड़ा बदलाव, 45% से घटकर 20 फीसदी हुई हिंदू आबादी

संवाददाता।

राज्य सूचना विभाग के अनुसार, संभल हिंसा मामले की जाँच के लिए नियुक्त तीन सदस्यीय पैनल ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को अपनी रिपोर्ट सौंप दी है। 450 पृष्ठों की इस रिपोर्ट में नवंबर 2024 में हुई संभल हिंसा का विवरण है और शहर में हुए पिछले दंगों का भी ज़िक्र है। रिपोर्ट में संभल में जनसांख्यिकीय परिवर्तनों के बारे में भी महत्वपूर्ण विवरण दिया गया है, जहाँ एक समय हिंदू समुदाय के लोग 45 प्रतिशत थे, लेकिन अब उनकी संख्या घटकर 20 प्रतिशत रह गई है।

रिपोर्ट के अनुसार, आज़ादी के समय संभल नगर पालिका क्षेत्र में 55त्न आबादी मुस्लिम और 45त्न हिंदू थी; हालाँकि, वर्तमान समय में हिंदू आबादी घटकर 15त्न रह गई है, जबकि मुस्लिम

समुदाय बढ़कर 85त्न हो गया है। आज़ादी के बाद से संभल में कुल 15 दंगे हुए हैं। 24 नवंबर 2024 को, संभल स्थित शाही जामा मस्जिद के भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा न्यायालय के आदेश पर किए जा रहे सर्वेक्षण के दौरान हिंसा भड़क उठी। इस हिंसा में चार लोगों की मौत हो गई और अधिकारियों व स्थानीय लोगों सहित कई अन्य घायल हो गए। जैसे ही स्थानीय मुसलमान मस्जिद के बाहर जमा हुए और तनाव बढ़ा, पुलिस ने बल प्रयोग किया और प्रदर्शनकारियों पर गोलियां चलाईं, जिसमें कम से कम चार लोगों की मौत हो गई और अधिकारियों व स्थानीय लोगों सहित कई घायल हो गए।

हिंसा के परिणामस्वरूप छतों से पुलिस पर कथित रूप से पथराव करने के आरोप में 12 प्राथमिकी दर्ज की गई और 80 गिरफ्तारियां हुईं। आरोपपत्र के अनुसार, इस मामले में कुल 159 आरोपी थे। इसमें यह भी उल्लेख किया गया है कि हिंसा स्थल और अन्य स्थानों से बरामद हथियार यूनाइटेड किंगडम, अमेरिका और जर्मनी में निर्मित थे। उत्तर प्रदेश पुलिस के विशेष जांच दल (एसआईटी) ने 12 मामलों में से छह में 4,000 से अधिक पृष्ठों का आरोपपत्र दायर किया था। हिंसा के बाद, उत्तर प्रदेश सरकार ने संभल हिंसा की जांच के लिए एक त्रि-स्तरीय न्यायिक जांच आयोग का गठन किया। आयोग के अध्यक्ष सेवानिवृत्त न्यायाधीश देवेंद्र अरोड़ा, पूर्व डीजीपी एके जैन और पूर्व आईएएस अमित मोहन प्रसाद हैं।

मोहन भागवत का बड़ा बयान, कहा- संघ सरकार के फैसले नहीं लेता

नई दिल्ली ।

नई दिल्ली के विज्ञान भवन में तीन दिवसीय आरएसएस के व्याख्यानमाला कार्यक्रम '100 वर्ष की संघ यात्रा नए क्षितिज' का गुरुवार को अंतिम दिन रहा। इस दौरान आरएसएस के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने बताया कि नई शिक्षा नीति क्यों जरूरी है? राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने कहा- भाजपा और संघ में कोई विवाद नहीं है। हमारे भाजपा सरकार ही नहीं सभी सरकारों के साथ अच्छे संबंध रहे हैं। सरकार में फैसले लेने के सवाल पर भागवत ने कहा कि यह कहना गलत है कि सरकार में सब कुछ संघ तय करता है। हम सलाह दे सकते हैं, लेकिन निर्णय वे ही लेते हैं। हम तय करते तो इतना समय नहीं लगता।

नेपाल के रास्ते बिहार में 3 पाकिस्तानी आतंकियों की घुसपैठ

नई दिल्ली ,संवाददाता।

पटना. बिहार में नेपाल के रास्ते 3 पाकिस्तानी आतंकियों ने घुसपैठ की है. पुलिस मुख्यालय ने तीनों की फोटो रिलीज की हैं. सभी के आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े होने की खबर है.

पुलिस ने जिन आतंकियों की फोटो जारी की है, उनके नाम हसनैन अली, आदिल हुसैन व मोहम्मद उस्मान हैं. हसनैन रावलपिंडी, आदिल उमरकोट व उस्मान बहावलपुर का रहने वाला है. आतंकियों के अररिया जिले से बिहार में घुसने की आशंका जताई गई है. पुलिस हेडक्वार्टर ने सभी जिलों को खुफिया तंत्र को एक्टिव रखने, इनपुट जुटाने और संदिग्धों पर कड़ी नजर रखने का

आदेश दिया है.

जहां से घुसपैठ की आशंका, वहीं राहुल की यात्रा

इधर बिहार में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन के खिलाफ राहुल गांधी की वोटर अधिकार यात्रा चल रही है. आतंकी घुसपैठ के संदिग्ध रास्ते अररिया समेत नेपाल से सटे मधुबनी और सुपौल से हाल ही में उनकी यात्रा गुजरी है. बिहार के 7 जिले नेपाल बॉर्डर से सटे हैं. राहुल या तो उन जगहों पर जा चुके हैं या उनका जाने का कार्यक्रम है. वे कल सीतामढ़ी में थे और आज मोतिहारी पहुंचे, जो नेपाल सीमा से लगा हुआ है.

बिहार में बड़ी वारदात कर सकते हैं आतंकी- खबर है कि तीनों आतंकी अगस्त के दूसरे हफ्ते ही काठमांडू पहुंच गए थे. वहां से पिछले सप्ताह बिहार में घुसे हैं. खुफिया इनपुट के आधार पर आशंका है कि आतंकियों का मकसद बिहार में किसी बड़ी घटना को अंजाम देना था. हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है. आतंकी अलर्ट के बाद राहुल गांधी की यात्रा में बदलाव किया गया है. सीतामढ़ी में वे जिस कैंप में रुके थे वहां से सीधे जानकी मंदिर पहुंचे. यहां कई जगहों पर स्वागत मंच बनाए गए थेए लेकिन राहुल वहां नहीं रुके।

विदेश | इसरो और रोस्कोस्मोस का दुनिया पर दबदबा

अब मुट्ठी में होगा अंतरिक्ष, ISRO और रूस की रोस्कोस्मोस देगी दुनिया को चुनौती

एजेंसी

मॉस्को: भारत और रूस की दोस्ती अब अंतरिक्ष में फिर एक नया इतिहास लिखने जा रही है। भारतीय स्पेस एजेंसी इसरो और रूसी अंतरिक्ष एजेंसी रोस्कोस्मोस मिलकर अब वृहद अंतरिक्ष कार्यक्रमों को अंजाम देने जा रहे हैं। भारत और रूस की ये टॉप अंतरिक्ष एजेंसियां अब पूरी दुनिया के लिए नई चुनौती पेश करने वाली हैं।

भारत ने रूस को दिया खुला ऑफर

भारत ने इस दिशा में दिलचस्पी लेते हुए रूसी कंपनियों को देश में नवोन्मेषी अंतरिक्ष परियोजनाओं में निवेश करने और भारत के विशाल बाजार का लाभ उठाने के लिए सीधे आमंत्रित किया है। यह जानकारी रूस में भारत के राजदूत विनय कुमार ने दी। राष्ट्रीय

अंतरिक्ष दिवस के उपलक्ष्य में भारतीय दूतावास में आयोजित एक समारोह में राजदूत ने बताया कि भारत सरकार ने अंतरिक्ष उद्योग में एक अनुकूल और सहयोगी माहौल तैयार करने के लिए कई आकर्षक योजनाएं और नीतियां पेश की हैं।

दशकों से अंतरिक्ष में भारत और रूस की दोस्ती - राजदूत विनय कुमार ने कहा कि भारत और रूस के बीच दशकों से अंतरिक्ष क्षेत्र में गहरा सहयोग रहा है। उन्होंने इस सहयोग के प्रमुख क्षणों का उल्लेख करते हुए बताया कि वर्ष 1975 में भारत ने सोवियत रूस के सहयोग से अपना पहला उपग्रह 'आर्यभट्ट' लॉन्च किया था। इसके बाद 1984 में सोयूज टी-11 अंतरिक्ष यान के जरिए भारतीय पायलट राकेश शर्मा ने अंतरिक्ष यात्रा की, जो उस समय एक महान उपलब्धि थी। वर्तमान में दोनों देशों के बीच गगनयान मानव अंतरिक्ष मिशन जैसे महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट पर भी सहयोग जारी है।

इसरो और रोस्कोस्मोस का दुनिया पर दबदबा - इस कार्यक्रम में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के साथ मिलकर काम कर रही रूस की अंतरिक्ष एजेंसी रोस्कोस्मोस के अधिकारी और विशेषज्ञ भी शामिल हुए। उन्होंने इस साझेदारी की अहमियत और भविष्य की संभावनाओं पर चर्चा की। राजदूत ने यह भी बताया कि भले ही अंतरिक्ष उद्योग एक आधुनिक व्यावसायिक क्षेत्र है, लेकिन भारतीय सभ्यता में अंतरिक्ष से जुड़ी परंपराएं और ज्ञान वैदिक काल से ही मौजूद हैं।

अमेरिका में अब तय समय तक ही रह सकेंगे विदेशी स्टूडेंट्स और विजिटर्स

एफ, जे और आई वीजा धारकों के लिए नए नियम प्रस्तावित

वाशिंगटन एजेंसी ।

अमेरिका ने विदेशी स्टूडेंट्स (F वीजा), एक्सचेंज विजिटर्स (J वीजा) और विदेशी मीडिया प्रतिनिधियों (I वीजा) के लिए वीजा नियमों में बड़े बदलावों का प्रस्ताव रखा है। अब इन वीजा धारकों को अनिश्चितकाल के बजाय तय समय-सीमा तक ही अमेरिका में रहने की अनुमति मिलेगी। यह कदम अमेरिकी डिपार्टमेंट ऑफ होमलैंड सिक्योरिटी (DHS) ने निगरानी बढ़ाने और राष्ट्रीय सुरक्षा मजबूत करने के उद्देश्य से उठाया है।

प्रस्तावित नियमों के अनुसार, अगर कोई वीजा धारक निर्धारित समय से अधिक अमेरिका में रुकना चाहता है, तो उसे DHS से एक्सटेंशन ऑफ स्टे (EOS) के लिए आवेदन करना होगा।

अभी तक ड्यूरेशन ऑफ स्टेटस नियम के तहत F, J और I वीजा धारकों को किसी निश्चित समय सीमा के बिना अमेरिका में रहने की अनुमति थी। DHS के अनुसार, इससे वीजा के दुरुपयोग और फ्रॉड की आशंका बढ़ गई थी और अधिकारियों को नियमों के पालन की निगरानी करना कठिन हो गया था।

प्रमुख प्रस्तावित बदलावों में शामिल है - 1. स्न और छ्व वीजा धारकों को अधिकतम 4 साल के लिए प्रवेश या एक्सटेंशन मिलेगा।

2. F-1 स्टूडेंट्स के लिए पढ़ाई पूरी करने के बाद मिलने वाला ग्रेस पीरियड 60 दिन से घटाकर 30 दिन किया जाएगा।

3. ग्रेजुएट लेवल के F-1 स्टूडेंट्स को बीच में प्रोग्राम बदलने की अनुमति नहीं होगी।

4. I वीजा धारकों के लिए अधिकतम 240 दिन की समय सीमा तय की गई है (कुछ विशेष मामलों को छोड़कर)। DHS का कहना है कि इन नियमों से वीजा धारकों की गतिविधियों पर समय-समय पर निगरानी आसान होगी और यह सुनिश्चित किया जा सकेगा कि वे अपने वीजा की शर्तों का पालन कर रहे हैं। इससे इमिग्रेशन सिस्टम में पारदर्शिता आएगी और गैरकानूनी गतिविधियों पर भी अंकुश लगेगा। 2023 में अमेरिका में 16 लाख से अधिक F-1 स्टूडेंट्स, 5 लाख से ज्यादा J एक्सचेंज विजिटर्स और 32,470 I वीजा धारक पहुंचे थे। इतनी बड़ी संख्या में लोगों पर नजर रखना मौजूदा प्रणाली में कठिन साबित हो रहा था। DHS ने इस प्रस्ताव पर जनता से प्रतिक्रिया मांगी है। इच्छुक लोग Docket No. ICEB-2025-0001 के तहत फेडरल रजिस्टर नोटिस में दी गई समय-सीमा के भीतर अपने सुझाव और आपत्तियां दर्ज कर सकते हैं। यदि यह प्रस्ताव लागू हो गया, तो अमेरिका में F, J और I वीजा पर रहने वाले लाखों विदेशी नागरिकों के लिए इमिग्रेशन व्यवस्था पूरी तरह से बदल जाएगी।

50प्रतिशत टैरिफ के बाद यूक्रेन जंग को बताया 'मोदी की जंग

भारत और अमेरिका के बीच व्यापारिक और कूटनीतिक तनाव चरम पर पहुंच गया है। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारतीय सामानों पर 50 फीसदी का भारी-भरकम टैरिफ लगाने के कुछ ही घंटों बाद, उनके शीर्ष व्यापार सलाहकार पीटर नवारो ने रूस-यूक्रेन संघर्ष को फ्मोदी की जंग करार देकर एक नया विवाद खड़ा कर दिया है। ब्लूमबर्ग टेलीविजन को दिए एक इंटरव्यू में पीटर नवारो ने भारत की रूस से सस्ते तेल की खरीद को सीधे तौर पर निशाना बनाया। उन्होंने दावा किया कि भारत की इस नीति से रूस को आर्थिक मदद मिल रही है, जिससे वह यूक्रेन में अपनी सैन्य आक्रामकता को जारी रखे हुए है।

अमेरिकी दबाव में नहीं झुकेंगे, देश पहले-व्यापार बाद में', रूस से तेल का आयात बंद नहीं करेगा भारत

वाशिंगटन , एजेंसी ।

भारत और अमेरिका के बीच व्यापारिक तनाव बुधवार को उस समय और गहरा गया जब अमेरिका ने भारत पर 25% का अतिरिक्त टैरिफ लागू कर दिया। अमेरिकी राष्ट्रपति ने इस कदम के पीछे भारत द्वारा रूस से लगातार कच्चा तेल खरीदने को मुख्य वजह बताया है। हालांकि, अमेरिका के इस दबाव के आगे झुकने से इनकार करते हुए भारत ने अपना रुख स्पष्ट कर दिया है और कहा है कि रूस से तेल का आयात बंद नहीं होगा।

भारतीय तेल रिफाइनरी कंपनियों के अधिकारियों ने साफ किया है कि उन्हें सरकार की तरफ से रूस से तेल खरीद रोकने का कोई आदेश नहीं मिला है। उन्होंने अमेरिकी दबाव को खारिज करते हुए 'देश पहले-व्यापार बाद में' की नीति पर चलने का स्पष्ट संदेश दिया है। अधिकारियों ने यह भी बताया कि सितंबर महीने में रूस से तेल के ऑर्डर में जो मामूली कमी आई है, उसका कारण अमेरिकी टैरिफ नहीं, बल्कि रूस द्वारा दिए जा रहे डिस्काउंट का कम होना है। पिछले साल जहां रूसी कच्चा तेल 2.5 से 3 डॉलर प्रति बैरल तक की भारी छूट पर मिल रहा था, वहीं अब यह छूट घटकर केवल 1.5 से 1.7 डॉलर प्रति बैरल रह गई है।

उद्योग जगत को उम्मीद है कि अक्टूबर से ऑर्डर फिर बढ़ सकते हैं, क्योंकि ऐसी संभावना है कि रूस एक बार फिर डिस्काउंट बढ़ा सकता है। एक वरिष्ठ उद्योग अधिकारी ने कहा, सरकार का संदेश बिल्कुल साफ है कि हम किसी के दबाव में झुकेंगे नहीं। अगर हमने अभी तेल आयात रोक दिया तो अमेरिका भविष्य में और भी शर्तें थोपेगा।

इंद्रावती को सोने की नाव और चांदी की पतवार भेंट : ग्रामदेवी जलनी आया से मांगी गई नवाखानी तिहार मनाने की अनुमति

700 वर्षों से परंपरा निभाते आ रहे हैं ग्रामीण

जगदलपुर, बस्तर संभाग का इतिहास विचित्र, मगर मनभावन परंपराओं से भरा हुआ है। यहां के आदिवासी अपने हर काम की शुरुआत ग्राम देवी- देवताओं की पूजा आराधना कर और विधिवत अनुमति लेकर की जा रही है। संभाग में एक गांव ऐसा भी है, जहां के लोग जीवनदायिनी इंद्रावती नदी को देवी तुल्यमानते हैं और हर साल उसे सोने की नाव एवं चांदी की पतवार भेंट करते हैं, फिर ग्राम देवी जलनी आया की पूजा कर उनसे नवाखानी त्यौहार मनाने की अनुमति मांगते हैं। जलनी आया और मां इंद्रावती को बकरा, मुर्गा, मुर्गी, विशेष किस्म के धान की बालियां समर्पित करते हैं। इसके बाद ही ग्रामीण नवाखानी त्यौहार मनाते हैं। यह परंपरा 700 सालों से साल दर साल अनवरत चलती आ रही है। इस साल भी इस परंपरा का निर्वहन किया गया।

अपनी प्राचीन परंपराओं पर कायम यह गांव है बस्तर संभाग के बीजापुर जिले का ग्राम देवी घाटकवाली। इंद्रावती

नदी के किनारे बसा ग्राम घाटकवाली अपनी शानदार रूढ़िवादी परंपराओं के लिए प्रसिद्ध है। बीजापुर जिला मुख्यालय से महज दस किलोमीटर दूर इंद्रावती नदी के तट पर बसे घाटकवाली गांव में नवाखानी त्यौहार मनाने से पहले इस साल भी में प्राणदायिनी इंद्रावती नदी को सोने की नाव और चांदी की पतवार भेंट की गई गांव गोसिन यानि गांव की मालकिन ग्राम देवी जलनी आया से नवाखानी तिहार मनाने के लिए अनुमति मांगी गई। घाटकवाली बहुत पुराना गांव है। इंद्रावती नदी ही यहां के किसानों और ग्रामीणों के जीवन का आधार है। पुरखों से चली आ रही प्रथा के अनुसार नदी किनारे घाटकवाली के सैकड़ो ग्रामीण जुटते हैं। अपनी प्राणदायिनी मां इंद्रावती को सोने की नाव और चांदी की पतवार भेंट की। ग्राम देवी जलनी आया की छत्र की ग्राम पुजारी मंगतू राम कश्यप ने सेवा अर्जी की। और गांव के ग्रामीण नदी किनारे पहुंचे जहां सेवा अर्जी विधान के बाद सोने की नाव, चांदी की पतवार, सफेद बकरा, चोका मुर्गा, चोकी मुर्गी , 60 दिनों में तैयार होकर पकाने वाले साठका धान की बालियां और लांदा आदि इंद्रावती नदी तथा जलनी आया को भेंट कर गांव में नया खानी तिहार मनाने के लिए अनुमति मांगी गई।

गांव बसा तबसे जारी है परंपरा

घाटकवाली के माटी पुजारी मंगतू राम कश्यप ने बताया कि गांवगोसिन जलनी आया एवं इंद्रावती मैय्या को सोने की नाव एवं चांदी की पतवार, सफेद बकरा, चोका मुर्गा, चोका मुर्गी, साठका धान की बालियां, लांदा आदि समर्पित करने की परंपरा जबसे गांव बसा है तबसे अनवरत चली आ रही है। यह परंपरा लगभग 700 वर्षों से निरंतर चली आ रही है। इस पारंपरिक घाट जात्रा में गांव के वरिष्ठ नागरिक सीताराम, श्यामसुंदर, पंडरू कश्यप, संपत, इशपर, विजय, रामनाथ, जुगल, कुमर, मयतर समेत सभी ग्रामीण मौजूद रहें।

साधारण वाद विवाद पर चला टंगिया, उतारा मौत के घाट

दुर्ग, । ईंट भट्ठा चंगोरी के मुंशी किशन लाल साहू की उसी भट्ठे में काम करने वाले तीन मजदूरों ने की हत्या। आरोपियों से घटना में प्रयुक्त टंगिया, कपड़े, शराब की बोतल जप्त। एक नाबालिग सहित तीनों आरोपी गिरफ्तार भेजे गये न्यायिक रिमांड पर मामले का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि पुलिस चौकी अंजोरा थाना पुलगांव जिला-दुर्ग में दिनांक 26/08/2025 को थाना दुर्ग से मृतक किशन लाल साहू ईंट भट्ठा चगोरी का गिरकर सिर में चोट लगने से उपचार दौरान मृत्यु होने से थाना दुर्ग में शून्य मर्ग पंजीबद्ध कर अग्रिम जांच कार्यवाही हेतु थाना पुलगांव को प्राप्त होने पर नंबरी पश्चात् मर्ग जांच प्रारंभ की गई। मर्ग जांच पर पाया गया कि दिनांक 24/08/2025 के रात्रि करीब 20/30 बजे घटना स्थल शिवलाल चकधारी का ईंट भट्ठा लेबर क्वार्टर आफिस के पीछे ग्राम चंगोरी जिला-दुर्ग में अज्ञात व्यक्ति के द्वारा मृतक किशन लाल साहू को हांथ मुक्का एवं धारदार किसी वस्तु से सिर एवं शरीर में प्राण घातक हमला कर शरीर में गंभीर चोटे पहुंचाये जिनकी ईलाज के दौरान दिनांक 25/08/2025 को सुबह 05/18 बजे शासकीय अस्पताल दुर्ग में मृत्यु होना तथा अज्ञात आरोपी के द्वारा धारा 103 बीएनएस का अपराध घटित करना पाये जाने पर अज्ञात आरोपी के विरुद्ध धारा सदर का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। आरोपी पता तलास दौरान घटना के समय मृतक के सांथ रहे काशीराम चौहान धनसाय साहू तथा एक विधिविरुद्ध संघर्षरत बालक से घटना के संबंध में बारीकी से पूछताछ किया गया।

उफनते नाले में कार बहने से 4 की मौत

कार चालक ने तैरकर बचायी जान ० रायपुर का निवासी है मृतक परिवार

जगदलपुर, लोकशक्ति

बीती रात कांगेर घाटी में बाढ़ के दौरान उफनते नाले में मारूती सुजुकी कार के बह जाने के हादसे में कार में सवार एक ही परिवार के पति-पत्नी सहित दो बच्चों की जल समाधि बन गयी और पांचवे सवार चालक ने तैरकर अपनी जान बचा ली। मृतक कार में सवार होकर तीरथगढ़ घूमने के लिये जा रहे थे, इसी दौरान वो काल के गाल में समा गये। घटना से परिजनों में शोक की लहर है, सभी का रो-रोकर बुरा हाल है। घंटों की कड़ी मेहनत के बाद आखिरकार चार लोगों के शव बरामद कर लिये गये हैं। शवों को मेकाज में पीएम के बाद परिजनों को सौंप दिया गया है।

दरभा पुलिस टीम ने किया रेस्क्यू

मूलतः तमिलनाडु निवासी 43 वर्षीय राजेश कार मंगलवार को, जो रायपुर में ठेकेदारी करता था, अपनी पत्नी पवित्रा 40 वर्ष, सौजन्या 7 वर्ष, सौमया 4 वर्ष को लेकर रायपुर से तीरथगढ़ घूमने के लिए आया था, अचानक जैसे ही कार

कांगेर घाटी के पास पहुँची कि तेज बारिश होने से बाढ़ के बहाव में बह गयी। इसके बाद चारों को बचाने के लिए दरभा पुलिस और रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंची। बरसात का पानी (बाढ़) अधिक होने के कारण पति-पत्नी सहित दोनों बच्चों ने पानी में डूबकर दम तोड़ दिया।

ड्राइवर ने तैरकर बचाई जान

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हादसे के वक्त कार के ड्राइवर ने किसी तरह से तैरकर पेड़ के सहारे अपनी जान बचायी। मृतक चारों लोग तमिलनाडु के रहने वाले थे और वर्तमान में रायपुर में रह रहे थे। कहीं न कहीं ये हादसा तेज बहाव में लापरवाही की वजह से हुआ है। दरअसल, परिवार जल्दबाजी में उफनते नाले को पार करने की कोशिश कर रहा था, लेकिन उनकी इस लापरवही से चार जिंदगियां छीन गई। ऐसे में दुर्घटना से देर भली यही संदेश इस हादसे से निकलकर सामने आ रहा है।

एडिशनल एसपी महेश्वर नाग ने घटना की पुष्ट करते हुए बताया कि एसडीआरएफ की टीम ने देर रात कड़ी मशक्कत के बाद कारमें फंसे शवों को बाहर निकालकर सभी शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए जगदलपुर

प्रज्ञा सिंह को मिला राष्ट्रीय शिक्षक का पुरस्कार

0 5 सितंबर को किया जाएगा सम्मानित
0 गणित और सामाजिक कार्य में किया उल्लेखनीय कार्य

रायपुर, । मानव संसाधन विभाग द्वारा छग की प्रज्ञा सिंह को राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किये जाने की जानकारी शिक्षा संचालनालय द्वारा ली गई है। शिक्षिका को पांच सितंबर को शिक्षक दिवस के अवसर पर राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित किया जाएगा। देश के राष्ट्रपति स्व. राधाकृष्णन की स्मृति में 5

सितंबर को शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्तर पर शिक्षकों को सम्मानित किया जाता है। दुर्ग जिले के थनौद गांव में कार्यरत शिक्षिका प्रज्ञा सिंह को इस पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। प्रज्ञा सिंह ने शिक्षा के गणित एवं अन्य विषयों को लेकर छात्रों में रूचि जगाई है उन्होंने वैज्ञानिक परख दृष्टिकोण से अध्ययन कार्य कराया है। इसके कारण उनका चयन राष्ट्रीय स्तर पर किया गया है।

छग राज्य में पांच सितंबर को होगा कार्यक्रम

छग राज्य में राजभवन में पांच सितंबर को शिक्षकों का सम्मान किया जाएगा। यह पुरस्कार वर्ष 24-25 में शेष शिक्षकों को दिया जाता है इसमें नकद तथा प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाएगा। शिक्षा विभाग के अनुसार इस वर्ष करीब जिलों के अनुसार शिक्षकों का चयन किया जाएगा। इसके अलावा निजी एवं शासकीय महाविद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों को भी साल एवं श्रीफल देकर सम्मानित किया जाएगा। शिक्षा विभाग इसके लिए पूरी तैयारी कर रहा है।

मांदर में बाढ़ का कहर : प्रभावित 85 परिवारों को पहुंचाई गई राहत

बाढ़ में फंसे 15 लोगों को राज्य आपदा मोचन बल के जवानों ने सुरक्षित निकाला

जगदलपुर, संवाददाता।

छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले में सोमवार रात से हो रही मूसलाधार बारिश ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित किया है। जिले की लोहंडीगुड़ा तहसील के ग्राम मांदर में अतिवृष्टि के कारण 85 परिवारों को अपने घर छोड़ने पड़े हैं। स्थानीय प्रशासन और बचाव दल की मदद से बाढ़ प्रभावितों तक मदद पहुंचाई गई।

बाढ़ में फंसे 15 लोगों को राज्य आपदा मोचन बल ने तत्परता दिखाते हुए सुरक्षित बाहर निकाला है। इसके अलावा 5 लोगों को बाढ़ के पानी से घिरे होने के कारण हेलीकॉप्टर की मदद से रेस्क्यू किया गया। राहत की बात यह है कि इस आपदा में किसी भी तरह की जनहानि की कोई सूचना नहीं है।

बाढ़ प्रभावितों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है और उन्हें राहत केंद्रों में ठहराया गया है। प्रशासन का कहना है कि राहत केंद्रों में बाढ़ पीड़ितों के लिए भोजन, पानी और चिकित्सा सहित सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं।

जिला कलेक्टर हरिस एस ने स्थिति का जायजा लिया है और अतिवृष्टि से हुए नुकसान का तत्काल सर्वेक्षण करने के निर्देश दिए हैं। प्रशासन का उद्देश्य प्रभावित परिवारों को जल्द से जल्द सरकारी सहायता पहुंचाना है। प्रशासन और स्थानीय जनप्रतिनिधि लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं और यह सुनिश्चित करने का प्रयास कर रहे हैं कि सभी प्रभावितों को समय पर मदद मिल सके।

राज्य सरकार की प्रतिबद्धता, खेलों के लिए बुनियादी ढांचा होगा सुदृढ़

रायपुर, । छत्तीसगढ़ सरकार ने एक बार फिर खेल सुविधाओं में इजाफा करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दिखाई है। खिलाड़ियों को आधुनिक संसाधन उपलब्ध कराने, खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने और उत्कृष्ट प्रदर्शन सुनिश्चित करने के लिए सरकार सतत प्रयासरत है। इसी कड़ी में धमतरी और कुरूद में इंडोर बैडमिंटन हॉल / मल्टीपर्पज स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के निर्माण हेतु प्रशासनिक स्वीकृति मिली है। क्रीड़ा प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत खेल बुनियादी ढांचे का विस्तार और खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने की दिशा में राज्य सरकार कई महत्त्वपूर्ण पहल कर रही है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने खेलों को बढ़ावा देने के लिए बुनियादी ढांचे के विकास, प्रशिक्षण एवं प्रोत्साहन योजनाओं पर विशेष ध्यान दे रहे हैं। ओलंपिक जैसे अंतरराष्ट्रीय आयोजनों में पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को 1 से 3 करोड़ रुपये तक की पुरस्कार राशि देने की योजना सरकार की प्रतिबद्धता का परिचायक है। यह पहल न केवल खिलाड़ियों के मनोबल को ऊँचा करती है बल्कि आने वाली नई पीढ़ी को भी खेलों की ओर प्रेरित करती है। इसके अलावा छत्तीसगढ़ क्रीड़ा प्रोत्साहन योजना के तहत मैदानों का उन्नयन, उच्च स्तरीय उपकरणों की उपलब्धता, खेल क्लबों को आर्थिक सहायता और पारंपरिक खेलों के आयोजन जैसी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं।

कलेक्टर धमतरी ने बताया कि जिले के धमतरी और कुरूद में इंडोर बैडमिंटन हॉल / मल्टीपर्पज स्पोर्ट्स हॉल के प्रोजेक्ट के लिए लगभग 5-5 करोड़ रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। यहां खिलाड़ियों के लिए विभिन्न इनडोर खेलों की आधुनिक सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी, जिनमें बैडमिंटन, टेबल टेनिस, कैरम, शतरंज, लूडो एवं साँप-सीढ़ी, डार्ट बोर्ड, स्नूकर, तीरंदाजी, योग कक्ष, स्क्वॉश, बास्केटबॉल, पिकलबॉल प्रमुख हैं। सबसे अहम यह है कि इन खेलों के लिए आवश्यक उपकरण और संरचनाएं अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप होंगी।

इतना ही नहीं स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में न केवल खेल सुविधाएं बल्कि खिलाड़ियों और दर्शकों की सुविधा के लिए सभी आवश्यक प्रावधान किए जाएंगे। इनमें खिलाड़ियों के आराम और तैयारी के लिए प्लेयर रूम, दर्शकों और प्रतिभागियों के लिए सुव्यवस्थित स्पोर्ट्स हॉल वेटिंग एरिया, आकस्मिक चिकित्सा सुविधा के लिए फर्स्ट एड रूम, महिला एवं पुरुषों के लिए अलग शौचालय शामिल हैं। इन प्रावधानों से खिलाड़ियों को प्रशिक्षण और प्रतियोगिताओं में भागीदारी के दौरान किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना नहीं करना पड़ेगा।

धमतरी और कुरूद के आसपास के क्षेत्रों में अनेक युवा खेलों में सक्रिय हैं, लेकिन पर्याप्त संसाधन और प्रशिक्षण केंद्र न होने के कारण वे अपनी प्रतिभा को राज्य और राष्ट्रीय स्तर तक नहीं पहुँचा पाते। इन इंडोर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्सों के निर्माण से स्थानीय खिलाड़ियों को गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण मिलेगा और वे अपनी प्रतिभा को निखार सकेंगे।

ठगी के दो मामलों में वांछित आरोपी झारखंड से गिरफ्तार, भेजा गया जेल

जशपुर पुलिस की 'ऑपरेशन अंकुश' में बड़ी कामयाबी

जशपुर, जशपुर पुलिस को ठगी के दो मामलों में लंबे समय से फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता मिली है। आरोपी अंशु उर्फ रोहित अग्रवाल को झारखंड के गुमला से पकड़कर जशपुर लाया गया और न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी अंशु अग्रवाल (उम्र 25 वर्ष), निवासी घाटो बगीचा, पालको रोड, गुमला (झारखंड), ने दो व्यापारियों से कुल 38.80 लाख रुपये की ठगी की थी। इन मामलों में आरोपी के खिलाफ थाना सन्ना और थाना पत्थलगांव में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 318(4) और 3(5) के तहत अपराध पंजीबद्ध है।

चावल और मक्का व्यापारी से की ठगी प्राप्त जानकारी के अनुसार, सन्ना निवासी संतकुमार यादव ने शिकायत दर्ज कराई थी कि आरोपी ने खुद को चावल

व्यापारी बताकर 80 हजार रुपये ऑनलाइन मंगवाए, लेकिन चावल नहीं भेजा। इसी तरह पत्थलगांव के एक व्यापारी से मक्का की फसल के अच्छे दाम दिलाने के नाम पर करीब 38 लाख रुपये का माल ले लिया गया, लेकिन भुगतान नहीं किया गया। इन दोनों मामलों में पुलिस पहले ही एक अन्य आरोपी मिथलेश साहू को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। अंशु अग्रवाल घटना के बाद से ही फरार चल रहा था। तकनीकी मदद से हुई गिरफ्तारी वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह के निर्देशन में एक विशेष टीम गठित की गई थी, जिसने तकनीकी निगरानी और मुखबिर तंत्र की सहायता से आरोपी की लोकेशन का पता लगाया। आरोपी को गुमला जिले में स्थित पालको रोड के पास से घेराबंदी कर पकड़ा गया। पुलिस ने उसके कब्जे से मोबाइल फोन भी जब्त किया है। पूछताछ में आरोपी ने अपराध स्वीकार कर लिया है और उसके खिलाफ पर्याप्त साक्ष्य मिलने पर उसे विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया।

मौसम विभाग ने बस्तर में भारी वर्षा होने की दी चेतावनी

सभी नदी नाले उफान पर, सड़क संपर्क टूटा - सिस्टम धीरे धीरे उत्तरी छग की ओर बढ़ रहा

राहत एवं बचाव कार्यों में पूरी मुस्तैदी बरतने के निर्देश

रायपुर, संवाददाता।

मौसम विभाग के वैज्ञानिक डॉ. चंद्रा ने बताया कि बस्तर संभाग में कम दबाव का क्षेत्र निर्मित होने के कारण आज व कल भारी वर्षा होगी। वहीं यह सिस्टम उत्तर की ओर धीरे धीरे बढ़ता जाएगा। जिसके कारण सरगुजा संभाग के पश्चात मध्य क्षेत्र कहे जाने वाले रायपुर बिलासपुर दुर्ग संभाग में भी भारी वर्षा होगी।

मौसम विभाग के अनुसार बस्तर संभाग के अंतर्गत आने वाले दंतेवाड़ा के रेलवे ट्रेक को भारी क्षति पहुंची है। वहीं किलेपाल और कंकलूर मार्ग पर पूल टूट गया है। 300 से अधिक गांव टापू बन गये है। मौसम विभाग के अनुसार बस्तर संभाग में 77 एमएम वर्षा रिकार्ड

की गई है। दंतेवाड़ा की शंखनी डंगनी बीजापुर में सुकमा मलेझर नदी में बाढ़ से भारी नुकसान हुआ है। राजधानी रायपुर में भी आज सुबह से मौसम साफ रहा लेकिन यहां पर परसों से अच्छी वर्षा होने का अनुमान है।

मुख्यमंत्री ने राजस्व सचिव से बाढ़ की ली जानकारी

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अपने जापान प्रवास के दौरान छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग में हुई अतिवृष्टि से उत्पन्न बाढ़ की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने राजस्व सचिव एवं आपदा राहत आयुक्त श्रीमती रीना बाबासाहेब कंगाले और बस्तर संभाग आयुक्त श्री डोमन सिंह से दूरभाष पर चर्चा कर राहत एवं बचाव कार्यों की प्रगति जानी और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

राजस्व सचिव कंगाले ने मुख्यमंत्री को बताया कि दंतेवाड़ा, बीजापुर और बस्तर जिले में बाढ़ की स्थिति बनी हुई है। बस्तर जिले के लोहंडीगुड़ा, दरभा और तोकापाल विकासखंडों में प्रशासन लगातार राहत कार्य संचालित कर रहा है। लोहंडीगुड़ा विकासखंड के ग्राम मांदर से 21 ग्रामीणों को सुरक्षित निकाला गया है। वहीं, लोहंडीगुड़ा क्षेत्र में हेलीकॉप्टर और नाव की सहायता से ग्रामीणों को रेस्क्यू कर सुरक्षित स्थानों पर पहुँचाया गया। बीते 24 घंटों में 68 से अधिक लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि एसडीआरएफ को हाई अलर्ट पर रखा जाए और राहत कार्यों में किसी भी प्रकार की शिथिलता न बरती जाए। उन्होंने संभाग के सभी कलेक्टरों को निचले इलाकों में मुनादी कराकर लोगों को सतर्क करने और सुरक्षित स्थानों पर शीघ्र पहुँचाने के निर्देश दिए।

गणेश महोत्सव के लिए यातायात पुलिस की बैठक एवं दिशा-निर्देश

दुर्ग, । दिनांक 25 अगस्त 2025 को नेहरू नगर, दुर्ग स्थित यातायात कार्यालय में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (यातायात), दुर्ग की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में महोत्सव के दौरान यातायात प्रबंधन, मार्ग विचलन योजना, भीड़ नियंत्रण व्यवस्था तथा पार्किंग प्रबंधन पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। उपस्थित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए, ताकि त्योहार अवधि में आमजन की सुरक्षा तथा यातायात की सुगमता सुनिश्चित की जा सके।

बैठक में लिए गए प्रमुख निर्णय निम्नानुसार हैं गणेश प्रतिमाओं की स्थापना एवं विसर्जन स्थलों के आसपास अतिरिक्त यातायात पुलिस बल की तैनाती। भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में Route Diversion Plan लागू कर यातायात का सुव्यवस्थित संचालन। आयोजन स्थल एवं मुख्य मार्गों के निकट पर्याप्त Parking Zones चिन्हित कर नियंत्रित पार्किंग व्यवस्था।आपातकालीन सेवाओं (Ambulance, Fire Brigade आदि) के लिए स्वतंत्र मार्ग सुरक्षित रखना।यातायात व्यवस्था की सतत निगरानी हेतु CCTV कैमरों एवं कंट्रोल रूम के माध्यम से मॉनिटरिंग। बैरिकेडिंग एवं

साइन बोर्ड्स के माध्यम से श्रद्धालुओं को उचित दिशा-निर्देश प्रदान करना।

यातायात पुलिस, दुर्ग समस्त नागरिकों से अनुरोध करती है कि गणेश चतुर्थी महोत्सव के दौरान ङ्क

यातायात पुलिस द्वारा निर्धारित मार्ग एवं पार्किंग व्यवस्था का पालन करें।

अनावश्यक रूप से भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में वाहन प्रवेश से बचें।

प्रतिमा स्थल व विसर्जन मार्ग पर पैदल चलने एवं सुरक्षा बैरिकेडिंग का पालन करें। यातायात पुलिसकर्मियों के निर्देशों का सहयोगात्मक भाव से पालन करें।

नागरिकों के सहयोग से ही इस महोत्सव को सुरक्षित, शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित रूप से सम्पन्न कराया जा सकेगा।

मंत्री कश्यप बोले- बेहतर वन प्रबंधन और सतत निगरानी का परिणाम

छत्तीसगढ़ में बाघों की संख्या दोगुनी,17 से बढ़कर 35 पहुंची

रायपुर, संवाददाता।

बाघों के अस्तित्व और संरक्षण के लिये छत्तीसगढ़ में जो कार्य हुए है, उसके परिणाम स्वरूप आज प्रदेश में बाघों की संख्या में दोगुनी वृद्धि हुई है। यह न सिर्फ छत्तीसगढ़ बल्कि भारत के लिए भी गर्व की बात है। वर्ष 2022 में हुई बाघ गणना अनुसार बाघों की संख्या 17 थी जो 2025 में बढ़ कर 35 हो गई है।

वनमंत्री केदार कश्यप की संवेदनशील पहल के परिणाम स्वरूप बाघों की संख्या में वृद्धि के लिए निरंतर प्रयास हो रहे हैं। बाघ रहवास वाले क्षेत्रों के सक्रिय प्रबंधन के फलस्वरूप बाघों की संख्या में भी लगातार वृद्धि हो रही है। छत्तीसगढ़ के अचानकमार टाइगर रिजर्व और इंद्रावती टाइगर रिजर्व क्षेत्र, सीतानदी उदंती क्षेत्र, गुरु घासीदास तमोर पिंगला टाइगर रिजर्व में बाघों के उचित प्रबंधन को लेकर वन्य जीवन विभाग बेहतर कार्य कर रही है।

इनकी अहम भूमिका

प्रदेश में बाघों की संख्या बढ़ाने में राष्ट्रीय उद्यानों के बेहतर प्रबंधन की मुख्य भूमिका है। छत्तीसगढ़ रा%य शासन द्वारा जंगल से लगे गांवों के साथ बेहतर संबध बनाकर उन्हें वन्य जीवों के प्रति संवेदनशील किये। इसके साथ ही बहुत बड़ा भू-भाग जैविक दवाब से मुक्त कराया गया है।

घास के मैदान विकसित

टायगर रिजर्व क्षेत्र में वन विभाग ने वनमंत्री केदार कश्यप के मार्गदर्शन में विशेषज्ञों की मदद लेकर स्थानीय प्रजातियों के घास के मैदान विकसित किये। जिससे शाकाहारी वन्य प्राणियों के लिए वर्षभर चारा उपलब्ध होता है। संरक्षित क्षेत्रों में रहवास विकास कार्यक्रम चलाया जाकर सक्रिय प्रबंधन से विगत वर्षों में अधिक हिरण की संख्या वाले क्षेत्र से कम संख्या वाले हिरण विहीन क्षेत्रों में सफलता से हिरणों को स्थानांतरित किया गया है।

ड्रोन और थर्मल कैमरे से निगरानी

वन्यजीवों की निगरानी के लिए ड्रोन और थर्मल कैमरे का उपयोग टाइगर रिजर्व में सक्रिय आवास प्रबंधन प्रथाओं को लागू किया गया है, जैसे चरागाहों का रखरखाव, जल संसाधन विकास और आक्रामक पौधों को हटाना। कान्हा में गांवों को कोर क्षेत्र से स्थानांतरित कर दिया गया है, जिससे मानवीय हस्तक्षेप कम हो गया है और वन्यजीवों को स्वतंत्र रूप से घूमने की अनुमति मिलती है। छत्तीसगढ़ वन विभाग जंगल में वन्यजीवों की आवाजाही और व्यवहार पर नज़र रखने के लिए राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण के दिशानिर्देशों का पालन करते हुए और वन सुरक्षा समितियों की मदद से सतत निगरानी में ड्रोन और थर्मल कैमरों का इस्तेमाल कर रहा है ताकि जानवरों और इंसानों के बीच संघर्ष को कम किया जा सके।

वनमंत्री केदार कश्यप ने कहा छत्तीसगढ़ में अभी बाघों की संख्या 35 हो गई है। रिजर्व क्षेत्र में जैविक दबाव को नियंत्रित करने की दिशा में बेहतर कार्य किया है। आने वाले दिनों में छत्तीसगढ़ में बाघों की संख्या सौ से अधिक हो, यह हमारी सरकार

भाजपा के नये पदाधिकारियों-मोर्चा के अध्यक्षों को 31 को दिया जाएगा प्रशिक्षण

कार्यालय मंत्री के रूप में अशोक बजाज सहित अन्य लोगों ने संभाला कार्यभार

रायपुर, संवाददाता।

भारतीय जनता पार्टी के नवनियुक्त पदाधिकारियों एवं विभिन्न मोर्चा के पदाधिकारियों को 31 अगस्त को विधिवत प्रशिक्षण दिया जाएगा। भाजपा के कार्यालय मंत्री अशोक बजाज के अनुसार प्रदेश अध्यक्ष किरणदेव की नई कार्यकारिणी गठित कर दी गई है जिसके अनुसार यहां पर दो महामंत्री यशवंत जैन और अखिलेश सोनी बनाये गये हैं। वहीं भाजयुमो अध्यक्ष राहुल टिकरिहा किसान मोर्चा के आलोक ठाकुर महिला मोर्चे की विभाग अवस्थी तथा अल्पसंख्यक वर्ग के नये अध्यक्ष बनाए गये है। इन अध्यक्षों ने विधिवत पदभार ग्रहण कर लिया है। इसके पश्चात नये संगठन की बारीकियों एवं अन्य दिशा निर्देश दिये जाएंगे। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष किरण देव की नये टीम ने अपना पदभार ग्रहण कर लिया है। राज्य में भाजपा के सभी जिलों एवं जाति समीकरण के आधार पर कार्यकारिणी बनाई गई है जिसके चलते समाज के सभी वर्गों को जोड़ने की कवायद की गई है। इससे पार्टी को चुनाव में लाभ मिलने की आशंका है।

इधर केबिनेट विस्तार में भी अंबिकापुर दुर्ग तथा रायपुर जिले को महत्व दिया गया है। नये चेहरों को भी प्रवेश दिया गया है। जिसके कारण अब विष्णुदेव सरकार भी मजबूत होते नजर आ रही है।

छत्तीसगढ़ प्रांतीय अग्रवाल संगठन द्वारा आयोजित ऋषि पंचमी उद्यापन बहुत ही धूमधाम के साथ संपन्न

लोकशक्ति। छत्तीसगढ़ प्रांतीय अग्रवाल संगठन द्वारा आयोजित ऋषि पंचमी उद्यापन बहुत ही धूमधाम के साथ संपन्न हुआ ।

संयोजिका अनीता अशोक अग्रवाल एवं हेमलता बंसल ने बताया कि इस आयोजन में 65 परिवारों ने सहभागिता की थी ।

प्रथम सत्र में मुख्य अतिथि आदरणीय श्री प्रदीप मित्तल जी राष्ट्रीय चेयरमैन नई दिल्ली एवं प्रांतीय अध्यक्ष डॉ अशोक अग्रवाल ने भगवान श्री अग्रसेन जी के तेल क्षेत्र पर पुष्पांजलि अर्पित की, तत्पश्चात दीप प्रज्जवलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया,आचार्य विष्णु जी के स्वागत के पश्चात, आज का यह कार्यक्रम विधि विधान से प्रारंभ हुआ, सप्त ऋषियों की कथा के साथ लगभग 4:00 बजे इस कार्यक्रम का समापन भोजन भंडारे के साथ संपन्न हुआ।

रायपुर जिला प्रशासन द्वारा सुशासन को लेकर की जा रही अभिनव पहल

लोकशक्ति। 67 हजार से अधिक आवेदनों का त्वरित निराकरण - सुशासन एक्सप्रेस के माध्यम से अब तक कुल 75,864 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनमें से 67,788 आवेदनों का त्वरित निराकरण किया जा चुका है। शेष लंबित आवेदनों की कार्यवाही भी प्राथमिकता से की जा रही है। सुशासन एक्सप्रेस के माध्यम से अब तक जरूरतमंद 15,741 आवेदकों को आय प्रमाण पत्र, 5741 को जाति प्रमाण पत्र, 4273 को निवास प्रमाण पत्र, 7536 को आयुष्मान भारत कार्ड, 6014 को राशन कार्ड, 8269 को ड्राइविंग लाइसेंस, 1306 को किसान क्रेडिट कार्ड, 2051 को नरेगा जॉब कार्ड, 577 को जन्म प्रमाण पत्र, 50 को मृत्यु प्रमाण पत्र, 4093 श्रमिकों को श्रम कार्ड, 5070 लोगों को आधार कार्ड, 883 को किसान किताब, 814 पात्र आवेदकों को पेंशन, 1346 एचएसआरपी का लाभ देने के साथ ही महिला एवं बाल विकास, पुलिस, आवास सहित अन्य योजनाओं से भी बड़ी संख्या में लोग लाभान्वित हो रहे हैं।

गांव में ही लग रहा 'वन-स्टॉप कैंप

किसी भी गांव में सुशासन एक्सप्रेस पहुंचने से तीन दिन पहले सूचना जारी की जाती है। मौके पर पटवारी, पंचायत सचिव, स्वास्थ्य टीम, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, आधार व आयुष्मान कार्ड बनाने वाले कर्मचारी और जिला प्रशासन के अधिकारी मौजूद रहते हैं। इस तरह गांव में ही छोटा 'वन-स्टॉप शिविर' तैयार हो जाता है।

प्रथम चरण- पूर्ण, अब सुशासन एक्सप्रेस दूसरे चरण में प्रदेशव्यापी सुशासन तिहार-2025 के सकारात्मक परिणाम को देखते हुए जिला प्रशासन रायपुर ने इसी तर्ज पर सुशासन एक्सप्रेस की शुरूआत की, जिसका उद्देश्य शासकीय अमले का एक साथ गांवों में पहुंचकर उनकी समस्याओं और आवेदनों का तत्परता से निराकरण करना है। सुशासन एक्सप्रेस के प्रथम चरण की शुरूआत अभनपुर, आरंग, धरसींवा और तिल्दा विकासखण्ड के गांवों से हुई। उक्त चारों विकासखण्डों की 300 से अधिक ग्राम पंचायतों में तथा नगर पंचायत आरंग के 17 वार्डों में सुशासन एक्सप्रेस के माध्यम से समस्याओं और आवेदनों का तत्परता से निराकरण किया गया।

प्रथम चरण की सफलता के बाद अब जिला प्रशासन ने इसका दूसरा चरण भी प्रारंभ कर दिया है, जिसमें अभनपुर, धरसींवा एवं तिल्दा विकासखंड के ग्रामीण इलाके शामिल है, जहां सुशासन एक्सप्रेस निर्धारित तिथियों में पहुंच रही है। सुशासन एक्सप्रेस के साथ गांव-गांव में पहुंचकर विभिन्न विभागों का मैदानी अमला लोगों की समस्याओं और आवेदनों का निराकरण कर रहा है।

नाम मात्र खर्च में बड़ा बदलाव

कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह ने बताया कि जनसमस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए सुशासन एक्सप्रेस संचालित करने के आइडिया को मूर्तरूप देने के लिए कंडम हो चुकी चार एंबुलेंस को जिला प्रशासन द्वारा मरम्मत कराकर इन्हें सुशासन एक्सप्रेस में परिवर्तित किया गया। नाम मात्र खर्च में तैयार किए गए इन मोबाइल सेवा वैन ने ग्रामीण अंचलों में सुशासन की नई राह प्रशस्त की है। रायपुर जिले की सुशासन एक्सप्रेस की सफलता वास्तव में शासन-प्रशासन की इच्छाशक्ति, नवाचार और शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति पहुंचाने की दिशा में एक अनुकरणीय मॉडल है।

मुख्यमंत्री के निर्देश पर प्रभावित परिजनों को त्वरित राहत

अग्नि दुर्घटना में पीड़ित परिवार को मिला चार लाख रूपये का सहारा

रायपुर, मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के निर्देशानुसार आपदा एवं आकस्मिक घटनाओं से प्रभावितों को शीघ्र राहत प्रदान करने की प्रक्रिया रायपुर जिले में निरंतर जारी है। इसी क्रम में ग्राम बनरसी निवासी श्रीमती निर्मला जोशी की आग से जलने पर हुई असामयिक मृत्यु की घटना पर जिला प्रशासन ने तत्परता दिखाते हुए परिजनों को मुआवजा स्वीकृत की। कलेक्टर श्री गौरव सिंह के निर्देशन में राजस्व पुस्तक परिपत्र (RBC) 6(4) के प्रावधानों के अंतर्गत मृतक के परिजनों को 4,00,000 (चार लाख रुपये) की राहत राशि स्वीकृत की गई।

मुख्यमंत्री श्री साय के स्पष्ट निर्देश हैं कि किसी भी आपदा अथवा आकस्मिक परिस्थितियों में प्रभावित परिवारों तक राहत सहायता शीघ्र पहुँचाई जाए।

प्रधानमंत्री सड़क योजना के मरम्मत एवं सुधार के लिए करोड़ों रुपये का टैंडर जारी

बस्तर कांकेर रायगढ़ महासमुंद, बेमेतरा, कबीरधाम, जशपुर बलरामपुर में 8941.71 करोड़ का टैंडर

पंजीकृत ठेकेदार ही छग ग्रामीण रोड विकास एजेंसी में कर सकेंगे आवेदन

रायपुर, संवाददाता।

छग ग्रामीण सड़क विकास एजेंसी द्वारा विभिन्न जिलों में प्रधानमंत्री सड़क योजना के तहत निर्मित सड़कों के मरम्मत एवं सुधार हेतु 8941.71 करोड़ का टेंडर जारी किया गया है।

छग ग्रामीण विकास एजेंसी के द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में सड़कों के निर्माण एवं सुधार का कार्य किया जाता है। मुख्य अभियंता कार्यालय सिविल लाइन द्वारा इस आशय का एक टेंडर नोटिस जारी किया गया है। जिसे संबंधित ठेकेदार वेबसाइट में देख सकते हैं। यह एकता संबंधित फर्म को दिया जाएगा जोकि इन शर्तों को पूरा करेगी। छग ग्रामीण सड़क विकास एजेंसी द्वारा बस्तर कांकेर, बिलासपुर, रायपुर रायगढ़, महासमुंद, गरियाबंद, राजनांदगांव, बेमेतरा, कबीरधाम, सरगुजा, जशपुर, बलरामपुर और सूरजपुर में सड़कों का निर्माण एवं जीर्णोद्धार किया जाएगा। निर्धारित शर्तों के अनुसार यह ठेका दिया जाएगा। यह ठेका लेने के लिए कई एजेंसियां सक्रिय हो गई है। छग सड़क ग्रामीण एजेंसी का काम दुरस्त क्षेत्रों में सड़क का निर्माण करना है। राज्य में इस समय प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना की हालत बरसात के चलते काफी खराब हो गई है। राज्य में इन सड़कों के लिए मापदंड बनाए गये हैं। इसमें बाहरी वाहनों का चलना मना रहता है लेकिन बड़ी संख्या में वाहन चलते रहते है जिसके चलते यह सड़क खराब हो जाती है।

मुख्य अभियंता द्वारा जारी टैंडर के अनुसार यह ठेका कुल 8941.71 करोड़ का होगा। इसमें अलग अलग कार्य करवाए जाएंगे। यह कार्य चिप इंजीनियर क्रेड़ा के माध्यम से करवाया जा रहा है। इलेक्ट्रानिक टेंडर के माध्यम से प्रधानमंत्री सड़क योजना का जीर्णोद्धार किया जाएगा। इन ठेकों को लेने के लिए संबंधित ठेकेदारों को पात्रता के अनुसार टैंडर भरना होगा। इसके लिए सभी ठेकेदारों का पंजीयन होना आवश्यक है।

धान उपार्जन केंद्रों में चारदीवारी तथा लाइट कंवर्ड प्लेटफार्म बनाने के लिए मंडी बोर्ड ने भी ई टैंडर जारी कर दिया है। जिसके अनुसार उदयपुर के अंतर्गत आने वाले विभिन्न धान खरीदी केंद्रों में सीसी रोड का निर्माण कार्य किया जाएगा।

गणपति बप्पा को चढ़ा 75 लाख का सोने का मुकुट

लोकशक्ति । संवाददाता

गणेश चतुर्थी पर बुधवार को गोलबाजार स्थित श्री सार्वजनिक हनुमान मंदिर ट्रस्ट और श्री बजरंग नवयुवक गणेश उत्सव समिति द्वारा आयोजित पूजन उत्सव में भक्तों ने आस्था की अनूठी मिसाल पेश की। गणपति बप्पा को नवरत्न जड़ित 750 ग्राम सोने का मुकुट अर्पित किया गया, जिसकी कीमत लगभग 75 लाख रुपये आंकी गई है। वहीं जयपुर के सांवरिया सेठ को तीन किलो चांदी भेंट की गई।

उत्सव का शुभारंभ विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह और स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने विधिवत पूजन कर किया। इस दौरान सांसद बृजमोहन अग्रवाल और विधायक सुनील सोनी भी मौजूद रहें। समारोह का संचालन करते हुए सहकारी बैंक अध्यक्ष केदारनाथ गुप्ता ने बताया कि यह परंपरा 1885 से निरंतर चल रही है। पूजन में आचार्य आकाश मिश्रा के नेतृत्व में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजा सम्पन्न हुई। पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा।

इसके साथ ही भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी के अवसर पर राजधानी रायपुर में कई स्थानों पर भगवान गणेश जी पंडालों में विराजमान हो गए हैं। बुधवार को हुई इस मंगल स्थापना के साथ ही अगले 10 दिनों तक शहर में भक्ति, उल्लास और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का अद्भुत संगम देखने को मिलेगा। रायपुर में भी सुबह से ही 'गणपति' के जयघोष से वातावरण गूंज उठा।

मृत्यु के बाद भी जीवन देने का संकल्प, प्रांजल कामरा बने प्रेरणा का स्रोत

प्रोजेक्ट दधीचि के अंतर्गत लिया संपूर्ण देहदान का संकल्प

कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने किया सम्मानित

रायपुर । मरने के बाद भी ज़िंदगी दे जाना ङ्क यही है असली मानवता। इसी भावना को साकार करते हुए रायपुर के वित्तीय सलाहकार, यूट्यूबर तथा फिनोलॉजी कम्पनी के संचालक श्री प्रांजल कामरा ने प्रोजेक्ट दधीचि के अंतर्गत संपूर्ण देहदान का संकल्प लेकर समाज के लिए एक प्रेरणादायक मिसाल पेश की है। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने प्रांजल को इस मानवीय निर्णय के लिए शॉल, प्रेरक पुस्तक तथा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। प्रांजल ने कहा कि देह जल जाए उससे बेहतर है कि किसी ज़रूरतमंद के काम आ जाए। मेरी दादी ने भी देहदान का संकल्प लिया था और आज मैंने वही परंपरा आगे बढ़ाई है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के मार्गदर्शन में संचालित प्रोजेक्ट दधीचि अब तक 34 से अधिक अंगदानों के माध्यम से जीवनदान का प्रतीक बन चुका है। इसका उद्देश्य समाज में अंगदान और देहदान को लेकर जागरूकता फैलाना और भ्रांतियों को दूर करना है। कलेक्टर डॉ. सिंह ने आमजनों से अपील की कि वे भी इस पुनीत कार्य में भागीदारी निभाएं और जरूरतमंदों के लिए जीवन की नई उम्मीद बनें।

संपादकीय

जीएसटी दरों में बदलाव की सोच ऐतिहासिक

दो दरों का होना भी मौजूदा स्थिति की तुलना मे सुधार माना जाएगा। इससे आर्थिक गतिविधियों को तेज करने में कितनी मदद मिलेगी, वह इससे तय होगा कि सरकार करों को न्यूनतम रखने का नजरिया अपनाती है या अधिकतम। अगर 12 फीसदी वाली कुछ चीजों को 18 प्रतिशत में ले जाया गया, तो उससे और नुकसान होगा। 28 फीसदी की दर विलासिता की चीजों पर है, जिसके घटने से समृद्ध तबकों को लाभ होगा। जबकि 12 फीसदी वाली चीजें आम जन से जुड़ी हुई हैं। इन्हें पांच प्रतिशत पर लाया जाता है, तो बेशक लोगों की जेब में पैसा बचेगा। हालांकि यह भी उतना नहीं होगा, जिससे अर्थव्यवस्था को गतिशील बना देने लायक मांग बढ़े। इसका कारण हाल के वर्षों में आम परिवारों की घटी बचत और उन पर बढ़ा कर्ज का बोझ है। फिर तमाम सेवाओं की महंगाई का अलग से दबाव है। दरअसल, सरकार ने पिछले दशक में आम जन की जेब इतनी निचोड़ ली है, अब हल्की राहत नाकाफी है।

हमारा शौक अंगारों पर चलने का ।

उसे थोड़ा जाना पहचाना बना दे
फिर चाहे तो उसे अंजाना बना दे।

शहर का यह चौराहा है यहीं पर
मेरे हिस्से का मयखाना बना दे।

शालिका ए जिंदगी जिसको न आये
इश्क उसको भी आज दाना बना दे।
(दाना-समझदार,बुद्धिमान,)

हुनर लफ़्ज़ों का उनको बहुत आता है
हकीकत को बड़ा अफसाना बना दे।
(अफसाना-कहानी,किस्सा,)

हमारा शौक है अंगारों पर चलने का
मौला मुझे गमों से अंजाना बना दे।

कह दो अब पुजारी से यह संजीव
तेरे हर रास्ते में बुत खाना बना दे।
(बुतखाना- मंदिर, पूजाघर,)

संजीव ठाकुर

QR CODE SCAN
कर प्रेमेन्द्र अग्रवाल द्वारा लिखित पुस्तकें पढ़िये ऑनलाईन
PM : 2024 - Vishwa Sarkar Ka Vikalp
Modimaya_ Vaidik_Netritva
Rashtriya Ekta
DLF-Vadra-Bhrasht Tantra
Silent Assassins Jan11,1966
Accursed & Jihadi Neighbour

विश्वगुरु बनने की नई इबारत लिखता भागवत का उद्बोधन

ललित गर्ग
लेखक, पत्रकार, स्तंभकार

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना के शताब्दी वर्ष पर दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित वार्षिक व्याख्यानमाला केवल एक उत्सव मात्र नहीं था, बल्कि यह आयोजन भारत की आत्मा और उसके भविष्य की एक गहन घोषणा थी। संघ सरचालक मोहन भागवत ने इन व्याख्यानों में जिस स्पष्टता और गंभीरता से अपने विचार रखे, उन्होंने संघ की विचारधारा के प्रति व्याप्त भ्रांतियों का निवारण करने के साथ-साथ भारत को विश्वगुरु बनाने की दिशा में एक नया क्षितिज भी उद्घाटित किया। यह आयोजन संघ के सौ वर्ष की साधना का मूल्यांकन ही नहीं, बल्कि आने वाले सौ वर्षों की दिशा का भी उद्घोष था। नई इबारत लिखते हुए भागवत ने स्पष्ट कहा कि संघ की कार्यप्रणाली का सार है,नए मनुष्य का निर्माण। यह विचार सुनने में सरल लग सकता है, किंतु इसके निहितार्थ अत्यंत गहरे हैं। समाज और राष्ट्र की सारी समस्याओं का मूल व्यक्ति के भीतर छिपा है। इसीलिये देश के सभी वर्गों को एकसूत्र में जोड़ने के संकल्प के साथ संघ आगे बढ़ेगा क्योंकि जब तक व्यक्ति का चरित्र, दृष्टि और आचरण नहीं बदलते, तब तक कोई भी व्यवस्था स्थायी रूप से परिवर्तित नहीं हो सकती। संघ व्यक्ति-निर्माण के माध्यम से समाज और राष्ट्र को बदलने की दीर्घकालिक साधना कर रहा है। यही कारण है कि संघ के कार्य का परिणाम केवल शाखाओं या कार्यक्रमों में नहीं मापा जा सकता, बल्कि उस अदृश्य लेकिन ठोस नैतिक शक्ति में देखा जा सकता है, जो धीरे-धीरे समाज की दिशा बदल रही है।

हिंदुत्व को लेकर जो भ्रांतियाँ फैलाई जाती रही हैं, उन्हें भी भागवत ने तार्किक ढंग से दूर किया। उन्होंने कहा कि हिंदुत्व किसी संकीर्ण परिभाषा का नाम नहीं है। यह कोई धर्म विशेष की पूजा-पद्धति या संप्रदाय नहीं है। हिंदुत्व भारतीय जीवन दृष्टि है, वह व्यापक सांस्कृतिक धारा है, जिसमें करुणा, समरसता, सेवा, अहिंसा, सत्य और आत्मानुभूति का सम्मिलन है। हिंदुत्व सबको जोड़ता है, किसी को अलग नहीं करता। यह भारत की आत्मा है और इसी आत्मा के बल पर भारत को विश्वगुरु बनने की पात्रता प्राप्त हो सकती है। इस स्पष्ट व्याख्या ने उस संदेह को भी दूर किया कि संघ का हिंदुत्व राजनीतिक या सत्ता प्राप्ति का साधन है। वास्तव में यह संपूर्ण मानवता को एक सूत्र में बांधने वाली दृष्टि है, जिसमें भेदभाव के लिए कोई स्थान नहीं है। दूसरे दिन के वक्तव्य में भागवत ने और गहराई से विचार प्रस्तुत किए। उन्होंने पंचकर्म की चर्चा करते हुए कहा कि जैसे आयुर्वेद में पंचकर्म शरीर की शुद्धि का साधन है, वैसे ही समाज की शुद्धि और पुनर्निर्माण के लिए भी पंचकर्म आवश्यक है। उन्होंने पांच आयाम बताए-चरित्र निर्माण, संगठन निर्माण, समरसता, गरीब का उत्थान और आध्यात्मिक जागरण। यह पांचों पहलू किसी भी समाज के स्थायी स्वास्थ्य और विकास के आधार हैं। केवल राजनीतिक सुधार या आर्थिक प्रगति से राष्ट्र महान नहीं बनता, बल्कि तब बनता है जब व्यक्ति का चरित्र शुद्ध हो, समाज संगठित हो, उसमें समरसता हो, कमजोर वर्ग को उत्थान मिले और राष्ट्र का जीवन उच्च आध्यात्मिक मूल्यों से संपन्न हो।

विशेष रूप से गरीब आदमी के उत्थान पर भागवत का जोर उल्लेखनीय था। उन्होंने कहा कि भारत तभी सशक्त होगा जब समाज के अंतिम व्यक्ति तक सम्मान और अवसर पहुंचे। यह विचार महात्मा गांधी के 'अंत्योदय', विनोबा भावे के 'सर्वोदय' और दीनदयाल उपाध्याय के 'एकात्म मानववाद' की पुनर्स्मृति कराता है। आधुनिक भारत की सबसे बड़ी चुनौती यही है कि विकास के लाभ समाज के सभी तबकों तक समान रूप से नहीं पहुंचते। अमीर-गरीब की खाई बढ़ती जा रही है। यदि इस खाई को नहीं भरा गया, तो राष्ट्र की प्रगति अधूरी रह जाएगी। भागवत का दृष्टिकोण यह है कि राष्ट्र तभी महान बन सकता है जब उसका सबसे कमजोर नागरिक भी गरिमा और सम्मान के साथ जीवन जी सके। धर्मों की एकता पर उनका दृष्टिकोण भी उतना ही महत्वपूर्ण था। भारत का इतिहास यही बताता है कि यहां विविधता में एकता की परंपरा रही है। हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई, बौद्ध, जैन-सभी धर्म इस भूमि पर फले-फूले हैं और सभी का मूल संदेश करुणा, सेवा और मानवता रहा है। समस्या तब उत्पन्न होती है जब धर्म को सत्ता की राजनीति से जोड़ा जाता है। भागवत का कहना था कि यदि हम धर्मों के मूल्यों को देखें तो उनमें कोई टकराव नहीं है। सबका आधार प्रेम, सत्य और सेवा है। यही साझा आधार भारत को एक ऐसा समाज बनाने में सक्षम है, जो विश्व के लिए अनुकरणीय हो।

भागवत के विचार निश्चित रूप से भारत की सांस्कृतिक परंपरा और संघ की कार्यप्रणाली को नई स्पष्टता देते हैं, लेकिन यहां यह प्रश्न भी उठता है कि इन विचारों को व्यवहार में उतारने की राह कितनी सरल है? समाज की जटिलताओं, जातीय और धार्मिक तनावों, राजनीतिक स्वार्थों और आर्थिक विषमताओं के बीच नया मनुष्य बनाना एक दीर्घकालिक साधना है। आलोचक कहते हैं कि संघ के पास विचार तो हैं, लेकिन उनकी जड़ें अभी तक समाज के सभी वर्गों तक गहराई से नहीं पहुँची हैं। विशेषकर अल्पसंख्यक समुदायों में संघ के प्रति संदेह आज भी विद्यमान है। इसलिए केवल वक्तव्यों से नहीं, बल्कि ठोस और पारदर्शी कार्यों से यह भरोसा पैदा करना होगा कि संघ का हिंदुत्व वास्तव में सर्वसमावेशी है। इसी तरह गरीब के उत्थान और धर्मों की एकता की बातें विचारणीय हैं, किंतु यह भी देखना होगा कि क्या संघ और उससे जुड़े संगठन इस दिशा में ठोस योजनाएं और परिणाम दे पा रहे हैं? आलोचक यह प्रश्न उठाते हैं कि विकास की मुख्यधारा में गरीबों की स्थिति सुधारने में सामाजिक संगठनों से अधिक भूमिका सरकार की रही है। अतः यदि संघ इन बिंदुओं को अपनी कार्ययोजना का मूल बनाए, तो उसे केवल नैतिक आह्वान से आगे बढ़कर व्यावहारिक नीतियां और कार्यक्रम तैयार करने होंगे। तभी यह दृष्टि प्रभावी सिद्ध होगी और भारत सचमुच उस दिशा में बढ़ सकेगा, जिसकी परिकल्पना व्याख्यानमाला में की गई।

आज की वैश्विक परिस्थितियों पर दृष्टि डालें तो भागवत के विचार और भी प्रासंगिक हो उठते हैं। दुनिया हिंसा, आतंकवाद, युद्ध और उपभोक्तावाद की अंधी दौड़ से त्रस्त है। पर्यावरण संकट दिन-प्रतिदिन गंभीर होता जा रहा है। मानसिक तनाव और आत्मकेंद्रित जीवन-शैली ने मानव को भीतर से खोखला कर दिया है। इन परिस्थितियों में भारत ही वह देश है, जो एक वैकल्पिक जीवन-दर्शन दे सकता है। भारत के पास भौतिक विकास के साथ-साथ आध्यात्मिक समृद्धि की धरोहर है। यही धरोहर भारत को विश्वगुरु बनने की पात्रता प्रदान करती है। संघ की शताब्दी वर्ष की यह व्याख्यानमाला केवल संघ के स्वयंसेवकों के लिए नहीं, बल्कि पूरे देश और विश्व के लिए एक संदेश है। यह संदेश है-नए मनुष्य का निर्माण करना, गरीब को उठाना, धर्मों को जोड़ना, समाज में समरसता स्थापित करना और हिंदुत्व की व्यापक जीवन दृष्टि के आधार पर विश्व को दिशा देना। यह केवल भाषण नहीं, बल्कि एक संकल्प है। यदि भारत को सचमुच विश्वगुरु बनना है, तो यह संकल्प पूरे समाज का होना चाहिए।

संघ को लेकर लंबे समय से यह आरोप लगाया जाता रहा है कि उसकी विचारधारा संकीर्ण है, वह केवल बहुसंख्यक समाज का प्रतिनिधित्व करता है, उसमें अल्पसंख्यकों के लिए कोई स्थान नहीं है। भागवत के इन वक्तव्यों ने यह स्पष्ट कर दिया कि संघ का दृष्टिकोण न तो संकीर्ण है और न ही बहिष्कृत करने वाला। संघ का हिंदुत्व सर्वसमावेशी है, जिसमें सभी धर्म और सभी आस्थाएं स्थान पा सकती हैं। इसका उद्देश्य सत्ता की राजनीति नहीं, बल्कि समाज का नैतिक और सांस्कृतिक पुनर्निर्माण है। संघ की शताब्दी का यह अवसर इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि आज भारत का भविष्य एक निर्णायक मोड़ पर खड़ा है। एक ओर आर्थिक प्रगति, तकनीकी उपलब्धियां और वैश्विक मंच पर भारत की बढ़ती प्रतिष्ठा है, तो दूसरी ओर आंतरिक चुनौतियां भी हैं-सामाजिक असमानता, जातीय तनाव, धार्मिक विद्वेष और मूल्यहीन राजनीति। इन चुनौतियों का समाधान केवल बाहरी सुधारों से नहीं, बल्कि भीतर से परिवर्तन लाने से होगा। यही संघ की कार्यप्रणाली है और यही भागवत का संदेश है। नये क्षितिज की ओर व्याख्यानमाला एक निष्कर्ष की ओर ही नहीं, बल्कि एक प्रश्न की ओर भी ले जाती है, क्या हम भारत को केवल भौतिक अर्थों में शक्तिशाली बनाना चाहते हैं या उसे वास्तव में विश्वगुरु बनाना चाहते हैं? यदि उत्तर दूसरा है, तो हमें भागवत के सन्देश को क्रियान्विति का धरातल देना ही होगा। दुनिया के लिये अपनेपन का नजरिया विकसित करना होगा, सौदे का नहीं।

यह निजी विचार है।

विपक्ष बहुत चिंतित है और आशंकित

अजीत द्विवेदी

मंत्रियों, मुख्यमंत्रियों और प्रधानमंत्री को पद से हटाने का प्रावधान करने के लिए लाए गए विधेयकों पर विपक्ष बहुत चिंतित है और आशंकित है। विपक्ष के सारे नेताओं की एक ही चिंता है कि केंद्रीय एजेंसियां खास कर सीबीआई और ईडी विपक्षी पार्टी की सरकारों को अस्थिर कर सकती हैं। उनका कहना है कि केंद्रीय एजेंसियां मुकदमा करेंगी और मंत्री या मुख्यमंत्री को गिरफ्तार कर लेंगी। धन शोधन के कानून में जमानत के प्रावधान बहुत सख्त हैं इसलिए उनको 30 दिन तक जमानत नहीं मिलेगी और इस नाम पर उनको हटा दिया जाएगा।

आशंका यही पर खत्म नहीं होती है। यह भी कहा जा रहा है कि मुख्यमंत्री को गिरफ्तारी का डर दिखा कर उसको किसी काम के लिए मजबूर किया जा सकेगा। इतना ही नहीं यह आशंका भी जताई जा रही है कि मुख्यमंत्री को गिरफ्तार कर लिया जाएगा और फिर उसकी पार्टी तोड़ कर सरकार गिरा दी जाएगी। ऐसा लग रहा है कि सरकार ने बिल बनाते समय इसके जितने मकसद नहीं सोचे होंगे उतने मकसद विपक्ष ने समझा दिए हैं।

अभी तक मंत्रियों, मुख्यमंत्रियों या प्रधानमंत्री को पद से हटाने का कोई कानूनी प्रावधान नहीं था। विधायक और सांसद को हटाने का प्रावधान भी लिली थॉमस मामले में सुप्रीम कोर्ट की ओर से दिए गए आदेश के बना। इसमें तय किया गया कि किसी विधायक या सांसद को दो साल या उससे ज्यादा की सजा हो जाती है तो वह विधायिका का सदस्य नहीं रह पाएगा और सजा की तारीख से उसके चुनाव लड़ने पर रोक लग जाएगी। आमतौर पर निचली अदालत से सजा होते ही विधायकों, सांसदों की सदस्यता समाप्त कर दी जाती है, जैसा कि राहुल गांधी के मामले में हुआ था।

बाद में अगर ऊपरी अदालत सजा पर रोक लगा दे तो सदस्यता बहाल हो जाती है। बहरहाल, अगर कोई व्यक्ति विधायक या सांसद होने के अयोग्य हो जाएगा तो वह स्वतः मंत्री, मुख्यमंत्री या प्रधानमंत्री बनने के भी अयोग्य हो जाएगा। इस नियम से इतर अब सरकार संविधान संशोधन करके कानून बना रही है कि अगर किसी मंत्री, मुख्यमंत्री या प्रधानमंत्री को किसी गंभीर अपराध के आरोप में गिरफ्तार किया जाता है और 30 दिन तक जमानत नहीं होती है तो 31वें दिन उसको पद से हटा दिया जाएगा।

अब सवाल है कि इसकी जरुरत क्यों पड़ी? इसकी जरुरत पड़ी अरविंद केजरीवाल की वजह से। दिल्ली का मुख्यमंत्री रहते केजरीवाल शराब घोटाले से जुड़े केस में गिरफ्तार हुए और उन्होंने इस्तीफा नहीं दिया। वे 156 दिन तक दिल्ली की तिहाड़ जेल में रहे और मुख्यमंत्री बने रहे। उससे पहले उन्होंने हवाला मामले में गिरफ्तार अपनी सरकार के मंत्री सत्येंद्र जैन को भी काफी समय तक मंत्री पद से नहीं हटाया था। ऐसे ही तमिलनाडु में एमके स्टालिन सरकार के मंत्री सेंथिल बालाजी गिरफ्तार होकर जेल चले गए लेकिन मंत्री बने रहे।

इससे पहले आमतौर पर मंत्री या मुख्यमंत्री गिरफ्तारी से पहले इस्तीफा दे देते थे। पिछले ही साल जनवरी में झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को गिरफ्तार किया गया था और उन्होंने गिरफ्तारी से ठीक पहले इस्तीफा देकर चम्पई सोरेन को मुख्यमंत्री बनवा दिया। लेकिन उसके दो महीने बाद मार्च में गिरफ्तार हुए अरविंद केजरीवाल ने इस्तीफा नहीं दिया। सो, अब तक जो काम नैतिकता और लोकलाज के आधार पर होते थे वह काम सुनिश्चित करने के लिए सरकार कानून ला रही है।

अब आएं विपक्ष की चिंता और आशंका पर तो उसकी एक आशंका का जवाब हेमंत सोरेन और अरविंद केजरीवाल के मामले से मिल जाता है। हेमंत सोरेन ने इस्तीफा दिया और जेल गए तो अगले चुनाव में उनकी पार्टी ज्यादा बड़े बहुमत से सरकार में लौटी। दूसरी ओर केजरीवाल जेल गए और इस्तीफा नहीं दिया तो अगले चुनाव में वे खुद भी हारे और उनकी पार्टी भी हार कर सत्ता से बाहर हुई। दोनों की पार्टियों ने गिरफ्तारी को राजनीतिक बदले की कार्रवाई कहा था लेकिन झारखंड की जनता ने हेमंत की बात पर यकीन किया और दिल्ली के लोगों ने केजरीवाल पर यकीन नहीं किया।

यह मामला कहीं न कहीं नैतिकता, परंपरा और लोकलाज से जुड़ा हुआ है। अतीत में भी देखें तो नेता नैतिकता के आधार पर इस्तीफा देते थे और उनको राजनीतिक नुकसान नहीं होता था। लालू प्रसाद ने गिरफ्तारी से पहले इस्तीफा देकर अपनी पत्नी राबड़ी देवी को मुख्यमंत्री बनवाया। लालू प्रसाद के जेल जाने से न तो उनकी पार्टी टूटी और न सरकार गिरी, बल्कि अगले चुनाव में फिर उनकी पार्टी जीत कर सत्ता में आई। ऐसे ही तमिलनाडु में जयललिता मुख्यमंत्री रहते दो बार गिरफ्तार हुईं। एक बार उन्होंने ओ पनीरसेल्वम को मुख्यमंत्री बनाया और दूसरी बार ई पलानीसामी को मुख्यमंत्री बनाया। दोनों बार न तो उनकी पार्टी टूटी और न सरकार गिरी।

इसके उलट पार्टियों के टूटने या सरकार गिरने की पिछले 10 साल की घटनाएं देखें तो अलग तस्वीर सामने आती है। कमलनाथ जैसा व्यक्ति मुख्यमंत्री पद पर बैठा रहा और कांग्रेस पार्टी टूट गई, सरकार गिर गई। कांग्रेस के समर्थन से सरकार चला रहे एचडी कुमारस्वामी मुख्यमंत्री पद पर बैठे रहे और कांग्रेस टूट गई, सरकार गिर गई। कांग्रेस और एनसीपी के समर्थन से सरकार चला रहे उद्धव ठाकरे मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठे रहे और उनकी पार्टी टूट गई, सरकार गिर गई। इसका मतलब है कि मुख्यमंत्री गिरफ्तार होगा तो अनिवार्य रूप से पार्टी टूट जाएगी या सरकार गिर जाएगी और गिरफ्तार नहीं होगा तो अनिवार्य रूप से पार्टी नहीं टूटेगी, ऐसा मानना मूर्खतापूर्ण विचार है।

अब रही बात इस कानून के जरिए भारत को पुलिस स्टेट बनाने की तो यह चिंता भी बहुत सेलेक्टिव है। देश की आम जनता के लिए भारत पुलिस स्टेट ही है। पुलिस जहां चाहती है, जिसको चाहती है उसको पकड़ लेती है, उस पर लाठी डंडा चला देती है, झूठे मुकदमे में फंसा देती है। हां, माननीय लोगों को अब इसका डर लगने लगा है। तभी कांग्रेस के राज्यसभा सांसद और वरिष्ठ वकील अभिषेक सिंघवी ने कहा कि अब एक कांस्टेबल के पास भी सरकार बदल देने की क्षमता होगी।

उनके कहने का मतलब है कि कांस्टेबल किसी मुख्यमंत्री को गिरफ्तार कर लेगा और सरकार बदल जाएगी। अव्वल तो किसी मुख्यमंत्री की गिरफ्तारी ऐसे नहीं होती है और दूसरे मुख्यमंत्री के गिरफ्तार हो जाने से उसकी सरकार नहीं गिर जाती है। सिंघवी खतरे को बढ़ा चढ़ा कर दिखा रहे हैं। ऊपर से वे न्यायपालिका को बिल्कुल शून्य मान कर चल रहे हैं। सोचें, खुद वकील हैं लेकिन मान रहे हैं कि कोई कांस्टेबल किसी मुख्यमंत्री को मनमाने तरीके से गिरफ्तार कर लेगा और अदालतें कुछ नहीं करेंगी!

अगर उनकी बात मान भी ली जाए कि केंद्रीय एजेंसियां किसी विपक्षी शासन वाले राज्य के मंत्री या मुख्यमंत्री को मनमाने तरीके से गिरफ्तार कर लेगी तो उसी तरह प्रदेश सरकार की एजेंसियां अपने राज्य में केंद्रीय मंत्रियों को गिरफ्तार कर सकती हैं। कर्नाटक में कांग्रेस की सरकार है और अगर कांग्रेस को लग रहा है कि उसके मुख्यमंत्री या उप मुख्यमंत्री को झूठे मुकदमे में फंसाया जा रहा है तो कर्नाटक सरकार की एजेंसियां केंद्रीय मंत्रियों को ऐसे ही मुकदमों में फंसा सकती हैं। उनके ऊपर हत्या से लेकर बलात्कार और चोरी, डकैती या जमीन हड़पने के झूठे मुकदमे किए जा सकते हैं और गिरफ्तार करके जेल में डाला जा सकता है। 30 दिन तक जमानत न हो इसके भी इंतजाम किए जा सकते हैं। यह तो अराजकता की स्थिति होगी। पता नहीं कैसे विपक्ष ऐसी स्थिति की कल्पना कर लेता है?

अंत में:- राजनीतिक दलों के प्रवक्ताओं के साथ साथ अच्छे अच्छे पत्रकार और राजनीतिक विश्लेषक कह रहे हैं कि केंद्र की मोदी सरकार चंद्रबाबू नायडू के समर्थन पर टिकी है इसलिए उनको डराने के लिए यह कानून लाया जा रहा है। यह बिल्कुल बुद्धि विरोधी बात है। अव्वल तो चंद्रबाबू नायडू या किसी दूसरे मुख्यमंत्री को गिरफ्तार करने के लिए अलग से किसी कानून की जरुरत नहीं है। केंद्रीय एजेंसियां चाहें तो उनको गिरफ्तार कर सकती हैं।

ध्यान रहे नायडू को जगन मोहन रेड्डी की सरकार ने भी गिरफ्तार किया था। दूसरे ऐसी बात कहने वालों को आंध्र प्रदेश विधानसभा का हिसाब नहीं मालूम है। 175 सदस्यों की आंध्र प्रदेश विधानसभा में नायडू की पार्टी टीडीपी के 135 विधायक हैं यानी बहुमत से 47 ज्यादा। बाकी सभी पार्टियों को मिला कर 40 विधायक हैं। कोई बुद्धि निरपेक्ष व्यक्ति ही यह सोच सकता है कि नायडू को गिरफ्तार कर लेंगे तो उनकी पार्टी टूट जाएगी और उनकी सरकार गिर जाएगी। उनको गिरफ्तार करेंगे तो उनका बेटा या परिवार का कोई सदस्य मुख्यमंत्री बन जाएगा और वे जेल से नायक बन कर लौटेंगे।

यह निजी विचार है

सब तो एक आदमी के आगे ऐंवे हो गए

हरिशंकर व्यास

भारत सरकार के मंत्रियों की क्या हैसियत हो गई है? राष्ट्रीय अध्यक्ष की हैसियत के नेता नरेंद्र मोदी के लिए माला पकड़ कर खड़े होते हैं। उस माला में घुसने की इजाजत उनको नहीं होती है। यह धारणा बनी है कि ले देकर एक अमित शाह हैं, जिनकी कोई हैसियत है लेकिन संसद के मानसून सत्र में यह भी दिखा कि पक्ष और विपक्ष में उनकी हैसियत पर ही चिंदियां गिरती दिखी। वे गिरफ्तारी और 30 दिन की हिरासत पर मंत्रियों, मुख्यमंत्रियों और प्रधानमंत्री को कुर्सी से हटाने वाला विधेयक पेश कर रहे थे तो उसे उन्होने अगली पंक्ति में अपनी निर्धारित सीट से पेश नहीं किया, बल्कि चौथी पंक्ति में अपने सांसदों के बीच खड़े होकर पेश किया।

तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा ने कहा कि डर के मारे अमित शाह ने चौथी लाइन में खड़े होकर बिल पेश किया। जिस समय वे बिल पेश कर रहे थे उस समय विपक्ष की ओर से बिल की प्रति फाड़ी गई और कागज के गोले बना कर उनकी ओर उछाले गए। अब वे क्या करेंगे? क्या सभी सांसदों के ऊपर सीबीआई, ईडी छोड़ देंगे?

पिछले दिनों दिल्ली में कांस्टीट्यूशन क्लब के चुनाव की बड़ी चर्चा रही। भाजपा के पूर्व सांसद संजीव बालियान ने अपनी ही पार्टी के सांसद राजीव प्रताप रूड़ी को चुनौती दे दी। क्लब से सेक्रेटरी एडमिन के लिए हुए चुनाव में कहा गया कि बालियान को अमित शाह ने उम्मीदवार बनाया है। पुरानी भाजपा के चेहरे रूड़ी को हराने के लिए बालियान को लाया गया है।

संसद सत्र के बीच खुद अमित शाह वोट डालने पहुंचे। उनके साथ पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा भी थे। लेकिन रूड़ी ने बालियान को बड़े अंतर से हरा दिया। सात सौ वोट वाले चुनाव में रूड़ी एक सौ वोट से जीते। इसके बाद चर्चा रही कि रूड़ी ने शाह को हराया। इसी तरह गुजरात में सहकारिता के हालिया चुनावों में भी अमित शाह के उम्मीदवारों के हारने की चर्चा है। संघ के लोगों ने अमित शाह के उम्मीदवारों को निपटवा दिया। वह भी गुजरात में। क्या अर्थ है। उनकी छोटे, मामूली चुनाव में भी धमक नहीं रही। न गुजरात में वे अपना प्रदेश अध्यक्ष बनवा पा रहे है और न उत्तरप्रदेश में? योगी ने उन्हे यूपी में ऐंवे ही बना डाला है!

पिछले दिनों एनडीए के सांसदों की बैठक हुई, जिसमें ऑपरेशन सिंदूर को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सम्मान किया गया। उस समय मोदी ने सबको याद दिलाया कि अमित शाह सबसे लंबे समय तक केंद्रीय गृह मंत्री रहने का रिकॉर्ड बना चुके हैं तो उनका भी सम्मान होना चाहिए। उनका जबरदस्ती सम्मान हुआ। मगर बाकि जो समय से मंत्री बने हुए है वे नाराज हो गए और कहते है उन्होंने शिकायत करने में कोताही नहीं बरती। आखिर कई नेता लगातार 11 साल से मंत्री हैं।

नितिन गडकरी एक ही विभाग में 11 साल से मंत्री हैं और पूरे देश में उनके कामकाज की चर्चा होती है। राजनाथ सिंह भी छह साल से ज्यादा समय से रक्षा मंत्री हैं और पांच साल गृह मंत्री रहे हैं। कई और मंत्री हैं जो 2014 से लगातार सरकार में हैं। लेकिन उनके स्वागत के लिए कभी मोदी ने नहीं कहा। लेकिन बुनियादी सवाल तो यह है कि इन मंत्रियों को भी क्या मतलब है? क्या कोई मंत्री अपने कामकाज की तारीफ, शाबाशी की चर्चा पाता होता। सब तो एक आदमी के आगे ऐंवे हो गए है। सारे मंत्रालय एक जगह से चलते हुए हैं। बाकी सब डाकिए का काम करने के लिए मंत्रालय में बैठाए गए हैं।

डॉ. मनसुख मांडविया ने ऐतिहासिक यूरोपीय ट्रेबल जीतने के बाद युवा फुटबॉलरों को सम्मानित किया

लोकशक्ति

केंद्रीय युवा कार्यक्रम और खेल तथा श्रम एवं रोजगार मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने आज नई दिल्ली में मोहाली स्थित मिनर्वा अकादमी फुटबॉल क्लब के युवा फुटबॉलरों को सम्मानित किया और यूरोप में उनकी जीत को भारतीय फुटबॉल के लिए एक नई शुरुआत बताया।

अंडर-14/15 की 22 खिलाड़ियों की टीम ने जुलाई–अगस्त 2025 में इतिहास रचते हुए पहली बार यूरोप में ट्रेबल जीत हासिल की, जिसमें उन्होंने गोथिया कप (स्वीडन), डाना कप (डेनमार्क) और नॉर्वे कप (नॉर्वे) जीते।

डॉ. मनसुख मांडविया ने कहा, ÷अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर और अधिक गौरव हासिल करने की हमारी खोज में यह भारतीय फुटबॉल के लिए एक नई शुरुआत है।÷

केंद्रीय मंत्री ने युवा एथलीटों से आग्रह किया कि वे जहाँ भी भाग लें, 'राष्ट्र प्रथम को ध्यान में रखें। डॉ. मांडविया ने कहा, ÷मनोवैज्ञानिकों के माध्यम से इन युवाओं के खेल विज्ञान, पोषण और मानसिक लचीलेपन पर अधिक ज़ोर दिया जाना चाहिए। इससे भारत विजय पथ पर अग्रसर रहेगा। इन युवाओं को अपने उच्च आत्मविश्वास और खेल के प्रति अपने जुनून को बनाए रखना होगा।÷

इन टूर्नामेंटों को दुनिया की तीन सबसे प्रतिष्ठित युवा फुटबॉल प्रतियोगिताओं में से एक माना जाता है। टीम 26 अंतरराष्ट्रीय मैचों में अपराजित रही, जिसमें उसने दक्षिण अमेरिका, यूरोप और अन्य जगहों के युवा क्लबों के खिलाफ 295 गोल दागे और केवल कुछ ही गोल खाए।

मिनर्वा अकादमी एफसी, जो एक खेलो इंडिया मान्यता प्राप्त अकादमी भी है, भारत के उन छह क्लबों में से एक थी, जिनकी अंडर-14 बालक वर्ग की टीमें गोथिया कप 2025 के दौरान खेल रही थीं। उन्होंने इस जुलाई में स्वीडन में यूथ वर्ल्ड कप के रूप में प्रसिद्ध गॉथिया कप 2025 के फाइनल में अर्जेंटीना की एस्कुएला डी फुटबॉल 18 टुकुमन को 4–0 से हराया।

कोन्थौजम योहेनबा सिंह (सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी, गोथिया कप) और हुइड्रोम टोनी (सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी, डाना कप) जैसे खिलाड़ियों ने भी व्यक्तिगत सम्मान अर्जित किया।

केंद्रीय कृषि मंत्री 29 अगस्त को कर्नाटक प्रवास पर रहेंगे

मैसूर स्थित श्री सुत्तूर मठ में डॉ. शिवरात्रि राजेंद्र महास्वामी जी की 110वीं जयंती समारोह में शामिल होंगे श्री शिवराज सिंह

किसानों, पशुपालकों, स्टार्टअप उद्यमियों, वैज्ञानिकों और अन्य हितधारकों से संवाद करेंगे श्री शिवराज सिंह

बेंगलुरू में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (ICAR) के संस्थानों का दौरा और समीक्षा करेंगे श्री शिवराज सिंह

पीआईबी

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान 29 अगस्त, शुक्रवार को कर्नाटक प्रवास पर रहेंगे। इस दौरान वे अनेक कार्यक्रमों में शामिल होंगे। केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह 29 अगस्त को सुबह मैसूर स्थित श्री सुत्तूर मठ में डॉ. शिवरात्रि राजेंद्र महास्वामी जी की 110वीं जयंती समारोह में शामिल होंगे। इस अवसर पर वे पौधारोपण करेंगे और भक्तों से संवाद करेंगे।

इसके पश्चात, केंद्रीय मंत्री श्री चौहान बेंगलुरू स्थित भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के संस्थानों का दौरा करेंगे। वे सबसे पहले राष्ट्रीय कृषि कीट संसाधन ब्यूरो जाएंगे, जहाँ वे पौधारोपण करेंगे, राष्ट्रीय कीट संग्रहालय और लाइव इनसेक्ट रिपोजिटरी का अवलोकन करेंगे तथा जैविक कीट नियंत्रण से जुड़ी ICAR-NBAIR की नवीनतम प्रौद्योगिकियों की प्रदर्शनी देखेंगे।

अपरान्ह में, केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह ICAR के राष्ट्रीय पशुरोग जानपदिक एवं सूचना विज्ञान संस्थान का दौरा करेंगे। इस दौरान वे संस्थान की गतिविधियों की समीक्षा करेंगे और किसानों, पशुपालकों, स्टार्टअप उद्यमियों, वैज्ञानिकों और अन्य हितधारकों से संवाद करेंगे। वे विशेष रूप से राष्ट्रीय पशु स्वास्थ्य एवं रोग नियंत्रण कार्यक्रमों जैसे PPR, ब्रुसेलोसिस, CSF, FMD और रूष्ठ में NIVEDI के योगदान, रोग पूर्वानुमान प्रणाली, आर्थिक प्रभाव आकलन तथा One Health गतिविधियों की प्रगति पर ध्यान देंगे। श्री शिवराज सिंह पशुपालकों की कार्यशाला में भाग लेकर उन्हें संबोधित भी करेंगे और उन किसानों से बातचीत करेंगे, जिन्होंने NIVEDI की तकनीकों व प्रशिक्षण से अपने पशुधन व्यवसाय में उल्लेखनीय प्रगति की है। इसके अतिरिक्त, बेंगलुरू स्थित अन्य ICAR संस्थानों के निदेशकों के साथ बैठक करेंगे और उनकी गतिविधियों एवं उपलब्धियों की समीक्षा करेंगे। इस अवसर पर स्थानीय सांसद एवं विधायक भी मौजूद रहेंगे।

श्री चौहान का यह दौरा न केवल के संस्थानों के राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय योगदानों को प्रदर्शित करेगा, बल्कि पशुपालकों, नवाचार कर रहे स्टार्टअप्स और सफल किसानों से संवाद के माध्यम से ÷समावेशी कृषि एवं पशुधन विकास÷ को और गति प्रदान करेगा।

जम्मू में भारी बारिश के कारण तवी नदी के उफान पर आने के एक दिन बाद लोग नदी के किनारे क्षतिग्रस्त घरों के पास खड़े हैं।

बिहार के पटना में बाढ़ के बीच नाव पर सवार होकर आते लोग।

केंद्रीय संचार मंत्री ने बाढ़ प्रभावित राज्यों में संपर्क सेवा के बारे में समीक्षा बैठक की

पीआईबी

केंद्रीय संचार और उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने आज हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में मोबाइल संपर्क सेवा बहाल करने के संबंध में एक उच्च-स्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक में सचिव (दूरसंचार) डॉ. नीरज मित्तल, संचार मंत्रालय, भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) और अन्य दूरसंचार संचालकों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। केंद्रीय मंत्री महोदय श्री सिंधिया ने सभी प्रभावित क्षेत्रों, विशेष रूप से जम्मू के डोडा और उधमपुर जिलों में, जहाँ बाढ़ का सबसे अधिक प्रभाव पड़ा है, सेवाएँ बहाल करने के लिए तत्काल युद्धस्तर पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। अंतर-जिला और घाटी संपर्क में क्रमिक प्रतिबंधों पर भी कड़ी नज़र रखी जा रही है ताकि सेवाएँ शीघ्र अति शीघ्र सामान्य हो सकें।

हमारे सुधारों का उद्देश्य एक पारदर्शी, कुशल और विश्व स्तरीय मध्यस्थता पारिस्थितिकी तंत्र बनाना है: केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री श्री अर्जुन राम मेघवाल

भारत और सिंगापुर ने भारत अंतर्राष्ट्रीय मध्यस्थता केंद्र द्वारा आयोजित उच्च-स्तरीय वार्ता के माध्यम से मध्यस्थता संबंधों को मजबूत किया

पीआईबी

भारत अंतर्राष्ट्रीय मध्यस्थता केंद्र (आईआईएसी) ने सिंगापुर कन्वेंशन सप्ताह 2025 के दौरान 28 अगस्त, 2025 को 'भारत-संबंधित विवाद में मध्यस्थों का चयन' विषय पर एक विशेष सत्र का आयोजन किया। इस संवाद में भारत और सिंगापुर के वरिष्ठ अधिकारी वैश्विक विवाद समाधान के भविष्य को आकार देने में दोनों देशों की महत्वपूर्ण भूमिका पर चर्चा करने के लिए एक साथ आए।

अपने मुख्य सम्बोधन में केंद्रीय विधि और न्याय मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री अर्जुन राम मेघवाल ने भारत में मध्यस्थता की गहरी ऐतिहासिक जड़ों का पता लगाया - पारंपरिक सामुदायिक मध्यस्थता प्रणालियों से लेकर 1940 के मध्यस्थता अधिनियम और मध्यस्थता एवं सुलह अधिनियम, 1996 तक। वैश्विक मध्यस्थता केंद्र बनने की भारत की महत्वाकांक्षा की पुष्टि करते हुए, उन्होंने कृष्णा को प्रथम मध्यस्थ और मध्यस्थ के रूप में संदर्भित करते हुए भारतीय परंपरा का भी हवाला दिया। श्री मेघवाल ने कहा, ÷हमारे सुधारों का उद्देश्य एक पारदर्शी, कुशल और विश्वस्तरीय मध्यस्थता पारिस्थितिकी तंत्र बनाना है। सिंगापुर इस यात्रा में एक मूल्यवान भागीदार है।÷

अपने स्वागत भाषण में, श्री ड्रू एंड नेपियर एलएलसी के अध्यक्ष, श्री जिमी यिम ने एशिया और उसके बाहर भारत के ऐतिहासिक और निरंतर प्रभाव पर प्रकाश डाला। उन्होंने भारत के साथ सिंगापुर के बढ़ते आर्थिक और कानूनी संबंधों का उल्लेख किया और इस बात को रेखांकित किया कि 2020-2024 के बीच, सिंगापुर अंतर्राष्ट्रीय मध्यस्थता केंद्र (एसआईएसी) एशिया का अग्रणी मध्यस्थता केंद्र और विश्व स्तर पर दूसरे स्थान पर उभरा है, जहाँ विवादों में भारतीय कानून को अक्सर नियामक कानून के रूप में चुना जाता है। श्री यिम ने इस बात पर ज़ोर दिया कि मध्यस्थों की नियुक्तियां इस बढ़ते सहयोग का केंद्रबिंदु हैं और उन्होंने मध्यस्थता में भारत-सिंगापुर सहयोग को और गहरा करने के एक मंच के रूप में इस संवाद का स्वागत किया।

द्विपक्षीय संबंधों के व्यापक संदर्भ में बातचीत को आगे बढ़ाते हुए, सिंगापुर में भारत के उच्चायुक्त डॉ. शिल्पक अंबुले ने मज़बूत व्यापार, निवेश और राज्य-स्तरीय साझेदारी की बात की। उन्होंने कहा, ÷सिंगापुर की कंपनियां भारत में तेज़ी से विस्तार कर रही हैं, जबकि भारतीय कंपनियां सिंगापुर में अपनी उपस्थिति बढ़ा रही हैं। मध्यस्थता में सहयोग इस रणनीतिक साझेदारी को और मज़बूत बनाता है।÷

भारत सरकार की विधि सचिव डॉ. अंजू राठी राणा ने संस्थागत ढांचों को मज़बूत करने और मध्यस्थता के लिए क्षमता निर्माण में निवेश के महत्व पर ज़ोर दिया। उन्होंने कहा, ÷जब हितधारक उन पर विश्वास करते हैं, तो संस्थाएं प्रगती करती हैं। सम्मेलनों, क्षमता निर्माण कार्यक्रमों और आउटरीच के माध्यम से, आईआईएसी जैसी संस्थाएं पेशेवरों को प्रशिक्षित कर रही हैं, जागरूकता बढ़ा रही हैं और सभी क्षेत्रों में मध्यस्थता-अनुकूल संस्कृति का पोषण कर रही हैं।÷ उन्होंने इस बात पर बल दिया कि सीमा पार विवाद समाधान में विश्वास निर्माण के लिए पारदर्शी और विविध पैनल महत्वपूर्ण हैं।

इस सत्र में ÷भारत से संबंधित विवादों में मध्यस्थों का चयन÷ विषय पर एक गहन पैनल चर्चा हुई, जिसका संचालन श्री ड्रू एंड नेपियर एलएलसी के निदेशक (विदेशी कानून) ,श्री अभिनव भूषण ने किया, जिसमें मध्यस्थ नियुक्तियों में विविधता लाने और सेवानिवृत्त न्यायाधीशों पर पारंपरिक निर्भरता से आगे बढ़ने की आवश्यकता पर ध्यान केंद्रित किया गया।

राजभवन में मनाया गया 9 राज्यों का स्थापना दिवस : भारत की विविधता ही हमारी ताकत – राज्यपाल श्री डेका :

रायपुर, लोकशक्ति।

भारत की आत्मा उसकी विविधता में बसती है और यही हमारी सबसे बड़ी ताकत है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से प्रारंभ हुआ 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' अभियान इसी एकता और सांस्कृतिक समृद्धि का सशक्त प्रतीक है।

राजभवन में गुरूवार को 9 राज्यों का स्थापना दिवस समारोह मनाया गया। राज्यपाल श्री रमेन डेका ने बिहार, गुजरात, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, गोवा, तेलंगाना, मिजोरम, सिक्किम और हिमाचल प्रदेश के स्थापना दिवस के अवसर पर कहा कि यह पहल केवल सांस्कृतिक आदान-प्रदान नहीं, बल्कि भावनात्मक एकीकरण का माध्यम है।

केन्द्र सरकार के ÷एक भारत-श्रेष्ठ भारत÷ कार्यक्रम के तहत विविधता में एकता की भावना को बढ़ावा देने के लिए सभी राज्य एक दूसरे का स्थापना दिवस मनाते है। इसी कड़ी में आज राजभवन के छत्तीसगढ़ मण्डपम में इन राज्यों का स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

इस अवसर पर राज्यपाल श्री डेका ने कहा कि भाषाओं, वेशभूषा, खान-पान, कला और परंपराओं में भिन्नता होने के बावजूद हमारी आत्मा एक है। यही विविधता भारत को विश्व में अद्वितीय बनाती है। आज जिन राज्यों का स्थापना दिवस मनाया जा रहा है, वे भारत की इस समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को और अधिक उजागर करते हैं।

राज्यपाल ने बिहार को ज्ञान की भूमि, गुजरात को व्यापार और उद्योग का अग्रणी, महाराष्ट्र को वीरता व संत परंपरा का प्रतीक, पश्चिम बंगाल को साहित्य और विज्ञान का केंद्र बताया। उन्होंने गोवा को पर्यटन की राजधानी, तेलंगाना को तकनीकी विकास का हब, मिजोरम व सिक्किम को पूर्वोत्तर की शान और हिमाचल प्रदेश को देवभूमि और प्राकृतिक सौंदर्य का प्रतीक बताया।

राज्यपाल ने युवाओं से आह्वान किया कि वे इस अभियान से जुड़ें, अन्य राज्यों की संस्कृति को समझें और राष्ट्र निर्माण में योगदान दें। अंत में उन्होंने सभी राज्यों को स्थापना दिवस की बधाई देते हुए कहा कि भारत की एकता और अखंडता ही हमें आत्मनिर्भर और सशक्त राष्ट्र बनाने की दिशा में प्रेरित करती है।

कार्यक्रम को मिजोरम राज्य की प्रतिनिधि कुमारी बेलिंदा रियांग, बिहार के प्रतिनिधि श्री निमेश कुमार झा, गुजरात के श्री राजेश चौहान, महाराष्ट्र के श्री अजय मधुकर काले, गोवा के श्री सेवियो डिकोस्टा, तेलंगाना की श्रीमती गुरिजला उषा, पश्चिम बंगाल के प्रतिनिधि श्री दीप्तेश चटर्जी और हिमाचल प्रदेश के प्रतिनिधि श्री पवान सिंह ने अपने राज्यों के विशेषताओं, परंपरा, संस्कृति पर प्रकाश डाला और कहा कि छत्तीसगढ़ को वे अपना घर मानते हैं।

कार्यक्रम में विभिन्न विश्वविद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने सभी राज्यों की संस्कृति एवं लोक परंपरा आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रंगारंग प्रस्तुति दी। पश्चिम बंगाल के लोक-नृत्य घिंची, गुजरात के गरबा, महाराष्ट्र के लावणी सहित बिहार, सिक्किम, हिमाचल प्रदेश, गोवा, तेलंगाना एवं मिजोरम के लोक नृत्यों ने अतिथियों का मन मोह लिया। वनवासी आश्रम के बच्चों ने भी सामूहिक गीत का प्रदर्शन किया।

विभिन्न राज्यों के प्रतिनिधियों को राज्यपाल ने राजकीय गमछा और स्मृति चिन्ह भेंट किया। उन्होंने भी राज्यपाल को अपने राज्य की ओर से स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम में विधायक श्री पुरंदर मिश्रा, रायपुर की महापौर श्रीमती मीनल चौबे, राज्यपाल के सचिव डॉ. सी. आर प्रसन्ना सहित अन्य अधिकारी एवं इन सभी राज्यों के युवा, महिलाएं एवं गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

ट्रांसफार्मर से कॉपर मेटल पाट्र्स कांटेक्ट चोरी करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

जांजगीर चांपा / ट्रांसफॉर्मर से कापर मेटल पाट्र्स कांटेक्ट की चोरी करने वाले दो आरोपीयों को चांपा पुलिस ने गिरफ्तार किया है । मामले का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि प्रार्थी भूपेंद्र साहू सहायक यंत्री छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड चांपा द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराया था कि दिनांक 12अगस्त 25 को घटोली चौक चांपा में लगे ट्रांसफार्मर से लाइन बंद होने की सूचना प्राप्त होने पर विद्युत विभाग के लाइन कर्मचारियों द्वारा मौके पर पहुंचकर देखें ट्रांसफार्मर में लगे डिस्ट्रीब्यूशन बॉक्स के कॉपर मेटल पाट्र्स कांटेक्ट गायब मिले । इसी तरह थाना चांपा क्षेत्र के अलग अलग स्थानों में लगे 18 ट्रांसफार्मर का भी कॉपर मेटल पाट्र्स गायब मिले एवं दिनांक 26 अगस्त को लगभग 11 बजे नया बस स्टैंड रोड के पास कृष्णा हॉस्पिटल के सामने लगे ट्रांसफार्मर से लाइन कट होने की सूचना पर कर्मचारियों द्वारा चेक किया गया । वहां का भी कॉपर मेटल पाट्र्स गायब मिला । उक्त रिपोर्ट पर थाना चांपा में अज्ञात आरोपी के विरुद्ध धारा 303(2) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना कार्यवाही में लिया गया था। बिजली ट्रांसफार्मर में कॉपर मेटल कांटेक्ट पाट्र्स की चोरी जैसे प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए विजय पांडे आईपीएस पुलिस अधीक्षक जांजगीर चांपा के निर्देशन में थाना चांपा पुलिस द्वारा चोरी गए ट्रांसफ र्मर में लगे डिस्ट्रीब्यूशन बॉक्स के कॉपर मेटल पाट्र्स कांटेक्ट एवं अज्ञात आरोपी की लगातार पातासाजी की जा रही थी। इसी क्रम में विवेचना के दौरान मुखबीर सूचना मिला कि आरोपी पवन कुमार सिदार एवम अर्जुन सिंह कंवर द्वारा चोरी की कॉपर मेटल कांटेक्ट को बेचने की फिराक में घूम रहा है । उक्त सूचना मिलने पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जांजगीर उमेश कुमार कश्यप एवम एसडीओपी चांपा यदुमणि सिदार के कुशल मार्गदर्शन में आरोपियों को पकड़ा । उन्हे हिरासत में लेकर पूछताछ करने पर ट्रांसफार्मर में लगे 9 नग कॉपर मेटल कांटेक्ट को चोरी करना स्वीकार किया एवं घटना में प्रयुक्त स्पेलन्डर क्रमांक छ्त्त 11 BC 3564 को बरामद कर आरोपियों को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड में भेजा गया है। उपरोक्त कार्यवाही मे निरीक्षक जे पी गुप्ता, थाना प्रभारी चांपा, एएसआई बाबू लाल दिवाकर, महिला प्रधान आर. पुष्पलता साहू, आर. कैलाश यादव , राजेश कश्यप, आकाश कलीसिया, भूपेंद्र गोस्वामी का सराहनीय योगदान रहा।

स्वालंबन की राह पर ग्रामीणों को जोड़ने पुलिसिया पहल

जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों की लिए काउंसलिंग बैठक

जांजगीर चांपा / पुलिस अधीक्षक जांजगीर- चांपा विजय कुमार पाण्डेय आईपीएस एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश कुमार कश्यप के कुशल निर्देशन में थाना शिवरीनारायण पुलिस द्वारा एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए स्वालंबन की राह पर ग्रामीणों को जोड़ने के लिए काउंसलिंग बैठक लिया है । यह बैठक गत दिनांक 27 अगस्त को थाना शिवरीनारायण परिसर में ग्राम पंचायत देवरी, लोहर्सी एवं खोरसी के सरपंचों व ग्रामीण जनों की उपस्थिति में आयोजित हुई । बैठक में अनुविभागीय अधिकारी पुलिस यदुमणि सिदार ,थाना प्रभारी निरीक्षक प्रवीण कुमार द्विवेदी, सरपंच श्रीमती चंद्रकांता खुंटे (लोहर्सी), श्री पवन साहू (देवरी) एवं श्री अरविंद गोंड (खोरसी) सहित लगभग 55–60 ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

बैठक में पुलिस अधिकारियों ने ग्रामीणों को समझाइश दी कि अवैध कच्ची महुआ शराब का निर्माण व बिक्री न केवल अपराध है, बल्कि इससे समाज में नशे की लत, अपराध की घटनाएँ एवं आर्थिक-सामाजिक नुकसान भी बढ़ते हैं। पुलिस द्वारा स्पष्ट किया गया कि शासन की कौशल विकास एवं स्वालंबन योजना के माध्यम से वैकल्पिक रोजगार और घरेलू कार्यों हेतु प्रशिक्षण उपलब्ध है, जिससे परिवार और समाज दोनों की बेहतरी संभव है।

ग्रामीणों ने पुलिस और प्रशासन की इस पहल का स्वागत किया तथा अवैध शराब निर्माण-बिक्री बंद कर शासन की योजनाओं का लाभ उठाकर मुख्यधारा में कार्य करने का मन बना रहे हैं इस संबंध में गांव स्टार पर और सकारात्मक प्रयास किए जाएंगे!

जिले में शतरंज को मिल रही नई पहचान, उभर रही खेल प्रतिभाएं

31 अगस्त को इंटर स्कूल जिला स्तरीय अंडर-19 के बच्चों के बीच होगी प्रतियोगिता

जांजगीर-चांपा। जिले में शतरंज की प्रतिभाएँ निरंतर अपनी पहचान बना रही हैं। राज्य स्तरीय टूर्नामेंट में जिले के खिलाड़ियों ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए यह साबित कर दिया है कि जांजगीर-चांपा शतरंज के क्षेत्र में भी अपनी विशेष पहचान बना सकता है। इसी कड़ी में राष्ट्रीय खेल दिवस एवं हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद जी की जयंती 29 अगस्त पर उन्हें याद करते हुए इस उपलक्ष्य में दिनांक 31 अगस्त 2025 को जिला स्तरीय इंटर स्कूल अंडर-19 शतरंज टूर्नामेंट का आयोजन किया जा रहा है। यह प्रतियोगिता जिला प्रशासन खेल एवं युवा कल्याण विभाग एवं

जिला शतरंज संघ के संयुक्त तत्वाधान में हसदेव पब्लिक स्कूल लछनपुर चांपा में होगी, जिसमें जिले के विभिन्न विद्यालयों के अंडर-19 आयु वर्ग के छात्र-छात्राएँ हिस्सा लेंगे।

जिला शतरंज संघ, जांजगीर-चांपा के अध्यक्ष देवेंद्र कुमार राठौर, उपाध्यक्ष देवेंद्र कुमार यादव, सचिव गिरधर गोपाल कश्यप एवं सदस्य श्रीमती जयंती यादव, लोकेश यादव, संतराम यादव सहित संघ के सदस्यों के नेतृत्व में लगातार शतरंज की गतिविधियाँ संचालित की जा रही हैं। इसी का परिणाम है कि आज जिले में पाँच इंटरनेशनल रेटेड खिलाड़ी हैं, जिनमें से दो खिलाड़ी प्रथम राठौर और प्रखर पटेल की इंटरनेशनल रेटिंग की दिशा में तेजी से अग्रसर हैं। इन खिलाड़ियों में सबसे खास नाम है वेदांश यादव, जो जिले के सबसे कम उम्र के इंटरनेशनल रेटेड खिलाड़ी हैं। वेदांश ने अपनी प्रतिभा और मेहनत से न केवल जिले बल्कि राज्य का नाम भी रोशन किया है। राष्ट्रीय खेल दिवस (हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद जयंती) के अवसर पर जिला शतरंज संघ द्वारा नियमित रूप से टूर्नामेंट और प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इन आयोजनों से जिले के बच्चों और युवाओं में शतरंज के प्रति गहरी रुचि और उत्साह देखने को मिल रहा है। आज स्थिति यह है कि गाँव-गाँव और स्कूल-स्कूल तक शतरंज की पहुँच बन रही है। छोटे-छोटे बच्चे भी शतरंज की बारीकियाँ सीखकर राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखा रहे हैं।

यह निरंतरता और खिलाड़ियों का जज़्बा आने वाले समय में निश्चित ही जिले को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने में अहम भूमिका निभाएगा। जिला शतरंज संघ के अध्यक्ष देवेंद्र कुमार राठौर ने बताया कि ÷हमारा उद्देश्य जिले की प्रतिभाओं को उचित मंच प्रदान करना है। इस तरह के आयोजन से खिलाड़ी राज्य व राष्ट्रीय स्तर के लिए तैयार होंगे और जिले का नाम रोशन करेंगे।

संघ के उपाध्यक्ष देवेंद्र कुमार यादव ने कहा कि ÷जिले में वर्तमान में पाँच इंटरनेशनल रेटेड खिलाड़ी सक्रिय हैं और दो खिलाड़ी इंटरनेशनल स्तर तक पहुँचने की ओर अग्रसर हैं। यह जिले के लिए गर्व की बात है।

संघ की सदस्य श्रीमती जयंती यादव ने कहा कि ÷राष्ट्रीय खेल दिवस पर होने वाले इस आयोजन से बच्चों और युवाओं में शतरंज के प्रति उत्साह और भी बढ़ेगा। छोटे-छोटे बच्चे भी अब शतरंज की बारीकियाँ सीख रहे हैं और राज्य व राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखा रहे हैं।÷

जिले के सबसे कम उम्र के इंटरनेशनल रेटेड खिलाड़ी वेदांश यादव ने कहा कि ÷शतरंज केवल खेल नहीं, बल्कि यह हमें मानसिक रूप से मजबूत बनाता है। इसमें हर चाल सोच-समझकर चलनी होती है, जिससे धैर्य और निर्णय लेने की क्षमता बढ़ती है। जिले में लगातार उभरती प्रतिभाओं में प्रथम राठौर, लोकेश साहू, विवेक सोनी, आमंदी, चैतन्य, अनाया, अभिनीत, अन्वेशा, रिमझिम, अनुषा, सक्षम, आदर्श, हृधान, समृद्धि सेजल, थनीषा, डेनियल, शिवांग, देवांश, काव्यांश, प्रद्युमन, गार्गी, अनिका, क्रिस्टी, अक्षिता, विराज आदि बच्चे लगातार शतरंज खेल की दिशा में अग्रसर है।

बैरिस्टर छेदीलाल की 134 वीं जयंती पर पुष्पांजलि सभा का हुआ आयोजन

जांजगीर चांपा /

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के क्रांति दूत ,भारतीय संविधान निर्मात्री सभा के पूर्णकालिक सदस्य ,समाज सापेक्ष विधिवेत्ता ,निस्वार्थ राष्ट्रसेवक ,धार्मिक सहिष्णुता के ध्वज वाहक ,कृषकों के हित चिंतक ,संगीत ,संस्कृति एवं छत्तीसगढ़ी परंपराओं व लोककलाओं के संरक्षक ,साहित्य सेवी प्रखर पत्रकार बैरिस्टर ठाकुर छेदीलाल एम. ए. ऑक्सफोर्ड बार. एट. ला . की 134 वीं जन्म जयंती के अवसर पर गणेश चतुर्थी दिनांक 27 अगस्त बुधवार को भारत माता चौक शहीद स्मारक स्थित बैरिस्टर साहब की प्रतिमा पर पधारकर अंचल के स्वतंत्रता संग्राम सेनानी परिवार , प्रशासनिक प्रतिनिधि , राष्ट्रप्रेमी वरिष्ठ नागरिक ,जन प्रतिनिधि , विधिवेत्ता ,साहित्य शिल्पि ,कृषक प्रतिनिधि , धर्मानुरागी , शैक्षणिक जगत एवं छत्तीसगढ़ी लोक कला संस्कृति के संवाहकों ने उपस्थित होकर बैरिस्टर प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए उनके व्यक्तिव एवं कृतित्वों का स्मरण किया ।

विदित हो बैरिस्टर ठाकुर छेदीलाल का जन्म गणेश चतुर्थी 1891 को हुआ जिसके फलस्वरूप उनकी जयंती पर प्रतिवर्ष पुष्पांजलि सभा का आयोजन किया जाता है।सर्व विदित है अनंत चतुर्दशी 18 सितंबर 1956 को दिवंगत हुए बैरिस्टर ठाकुर छेदीलाल ने जीवन पर्यंत अपने व्यक्तित्व एवं कृतित्व से राष्ट्रीय स्तर के तत्कालीन अग्रिम पंक्ति में कार्य करते हुए अपने कर्म बल से छत्तीसगढ़ की अस्मिता की रक्षा करते हुए छत्तीसगढ़ियों का मान बढ़ाया था ,उन्होंने देश की आजादी के समस्त आंदोलनों में बढ़ चढ़ कर भाग लेते हुए ,विधि ,उच्च शिक्षा ,साहित्य एवं पत्रकारिता ,धार्मिक सहिष्णुता , कृषि एवं उद्योग मेले का आयोजन ,राष्ट्रीय खेल प्रतियोगियों का आयोजन ,शास्त्रीय एवं छत्तीसगढ़ी लोक कलाओं का संरक्षण प्रदान करने हेतु जीवन पर्यंत कार्य किया था जिसके फलस्वरूप इन्हीं सभी विषयों को समाहित करते हुए छत्तीसगढ़ वासियों के भावना के अनुरूप छत्तीसगढ़ राज्य शासन एवं जिला प्रशासन जांजगीर चांपा द्वारा उनकी पुण्यतिथि 18 सितंबर से उपरोक्त समस्त विधाओं को समाहित करते हुए वर्तमान एवं युवा पीढ़ियों के मार्गदर्शन के लिए समारोह का आयोजन किया जाता है।

27 अगस्त को आयोजित जन्म जयंती के अवसर पर सर्वप्रथम बैरिस्टर साहब की प्रतिमा की पूजा अर्चना एवं पुष्पांजलि का कार्यक्रम वहां उपस्थित बैरिस्टर ठाकुर छेदीलाल जी के सुपुत्र कोमोडोर विजय प्रताप सिंह ,नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती रेखा देवा गढ़वाल , जिला अधिवक्ता संघ जांजगीर चांपा अध्यक्ष अजय केसरवानी ,पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष रघुराज प्रसाद पांडेय,जिला कांग्रेस कार्यकारी अध्यक्ष रमेश पैगवार, दिवाकर राणा उपाध्यक्ष अकलतरा नगर पालिका ,जिला पंचायत सभापति राजकुमार साहू , स्वतंत्रता संग्राम सेनानी परिवार डॉ परस शर्मा ,रघुवीर सिंह ,राघवेंद्र सिंह ,बैरिस्टर अकादमी के अध्यक्ष देवेश कुमार सिंह , पार्षद हितेश यादव ,लोक अभियोजक संदीप सिंह बनाफर ,समाज सेवी ठाकुर श्रवण सिंह ,भूपेंद्र सिंह छोटा राणा ,कर्मचारी संघ के जिला अध्यक्ष अर्जुन सिंह क्षत्रिय ,सुरेश सिंह क्षत्रिय ,संतोष सिंह ,पवन सिंह चंदेल ,अंकित सिंह सिसोदिया ,किशोर सिंह गहलोत ,अकादमी के सदस्य रिफिक्र सिद्धकी ,शिशिर द्विवेदी ,उदय राम राठौर , अमित मिश्रा,नवल सिंह ,शफीक खान ,वीरेंद्र गोपाल ,अतीक कुरैशी ,चिंतामणि राठौर ,देवी राठौर ,बसंत सिंह सहित उपस्थित समस्त जनों द्वारा किया तदोपरांत समस्त जनों को प्रसाद वितरित किया गया।

छत्तीसगढ़ रजत जयंती महोत्सव के अवसर पर बालिका सुरक्षा एवं महिला सशक्तिकरण पर जागरूकता कार्यक्रम का किया गया आयोजन

कार्यक्रम में चलाया गया मातृ वंदना योजना पंजीकरण अभियान

जांजगीर-चांपा / कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे के निर्देशन ''छत्तीसगढ़ रजत जयंती महोत्सव'' के अवसर पर जिला एवं परियोजना स्तरीय विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है।

जिला कार्यक्रम अधिकारी ने बताया कि जिला बाल संरक्षण इकाई द्वारा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सिवनी, नैला में बालिका सुरक्षा विषय पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में छात्राओं को कानूनी अधिकारों, साइबर सुरक्षा तथा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के दुरुपयोग से बचाव के उपायों की जानकारी दी गई और सुरक्षित ऑनलाइन व्यवहार अपनाने की सलाह दी गई।

कार्यक्रम में कार्यक्रम में बाल विवाह से जुड़े परिजनों, पंडितों एवं रिश्तेदारों पर की जाने वाली कानूनी कार्यवाही, नाबालिग बच्चों के अपराधों में पॉक्सो अधिनियम की प्रक्रिया तथा मिशन वात्सल्य की योजनाओं की जानकारी दी गई। साथ ही घरेलू हिंसा अधिनियम 2005, कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न अधिनियम 2013 और बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला गया। मिशन शक्ति एवं सखी वन स्टॉप सेंटर की कार्यप्रणाली, उपलब्ध सेवाएं तथा महिला हेल्पलाइन 181 और डायल 112 की जानकारी भी प्रदान की गई। कार्यक्रम अंतर्गत समस्त परियोजनाओं में मातृ वंदना योजना के तहत गर्भवती एवं स्तनपान कराने वाली माताओं के पंजीयन, पात्रता एवं पोषण-संबंधी आवश्यकताओं हेतु मिलने वाली आर्थिक सहायता के विषय में जानकारी दी गई। इसके लिए शत-प्रतिशत पंजीयन अभियान चलाया गया। आंगनबाड़ी केंद्रों एवं विद्यालयों के सहयोग से बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान के अंतर्गत रैली निकाली गई। बालिकाओं के लिए कन्या जन्मोत्सव का आयोजन कर उनके सृजन, सुरक्षा एवं सशक्तिकरण का संदेश दिया गया।

कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे ने खेल संघों के पदाधिकारियों की बैठक लेकर खेल गतिविधियों के संबंध में दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर 29 से 31 अगस्त तक होंगे विभिन्न खेल एवं फिटनेस गतिविधियों का आयोजन

संवाददाता

29 अगस्त को फिटनेस रैली, फिट इंडिया शपथ, राष्ट्रीय खिलाड़ियों एवं संघ के पदाधिकारियों का सम्मान एवं सांसद खेल महोत्सव का होगा शुभारंभ

जांजगीर-चांपा 28 अगस्त 2025/ कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे ने आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर विभिन्न खेल गतिविधियों के आयोजन के संबंध में अधिकारियों एवं खेल पदाधिकारियों की बैठक लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस अवसर पर एसडीएम एवं जिला खेल अधिकारी श्री सुब्रत प्रधान, विभिन्न खेलों के पदाधिकारियों एवं संबंधित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

कलेक्टर ने कहा कि 29 अगस्त को मेजर ध्यानचंद की जयंती को राष्ट्रीय खेल दिवस के रूप में मनाया जाता है। कलेक्टर ने मेजर ध्यानचंद की जयंती पर जिले के सभी विद्यालयों, महाविद्यालयों एवं खेल संस्थानों में खेलकूद कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश सभी संबंधित अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा कि खेल से शारीरिक, मानसिक और बौद्धिक विकास होता है। इसलिए खेल दिवस को उत्साहपूर्वक मनाते हुए अधिक से अधिक खिलाड़ियों को जोड़ा जाए। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों, खेल पदाधिकारियों को जिले में राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर 29 से 31 अगस्त तक विभिन्न गतिविधियों का आयोजन के संबंध में दिशा निर्देश दिए।

29 अगस्त को होगा सांसद खेल महोत्सव का शुभारंभ एसडीएम एवं जिला खेल अधिकारी श्री सुब्रत प्रधान ने बताया कि जिले में 29 अगस्त को प्रातः 07 बजे मेजर ध्यानचंद हॉकी मैदान से कचहरी चौक होते हुए डाइट हॉल जांजगीर तक फिटनेस रैली, डाइट हॉल में मेजर ध्यानचंद को श्रद्धांजलि, फिट इंडिया की शपथ कार्यक्रम, राष्ट्रीय खिलाड़ियों एवं संघ/संस्था के पदाधिकारियों को सम्मानित एवं सांसद खेल महोत्सव का औपचारिक शुभारंभ किया जाएगा। 30 अगस्त को खेलो इंडिया सेंटर में हॉकी, डाइट में रस्साकसी, सीटी क्लब में वॉलीबॉल, सेजेस हॉल जांजगीर में खेल से संबंधित विषयों पर वाद विवाद व फिटनेस टॉक, हाई स्कूल मैदान जांजगीर में फुटबॉल व कराते का आयोजन किया जाएगा। 31 अगस्त को प्रातः 7.30 बजे शासकीय हाई स्कूल मैदान से कचहरी चौक, नेताजी चौक लिंक रोड होते हुए वापस शासकीय हाई स्कूल मैदान जांजगीर तक साइकिल रैली एवं हसदेव पब्लिक स्कूल (लछनपुर) चांपा में अंडर 19 वर्ग शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा।

लूट के नियत से घर अंदर घुसने वाला आरोपी गिरफ्तार

जांजगीर चांपा / रात्री में लूट के नीयत से घर अंदर घुसने के आरोपी को अकलतरा पुलिस ने गिरफ्तार किया है । उक्त मामले में मिली जानकारी अनुसार

आरोपी द्वार दिनांक 24 अगस्त 2025 की रात्रि करीबन 1 बजे थाना अकलतरा क्षेत्र के कल्याणपुर निवासी राकेश दास के घर अंदर घुसकर उसकी मां जो बरामदे में सोई थी । आरोपी द्वारा हाथ में हंसिया रखे थे जिसके द्वारा गले में पहने मंगल सूत्र को लूटने की कोशिश कर रहा था तो पीड़िता जाग गई और जोर से चिल्लाने लगी तो उसके घर के परिजन लोग सब उठ गए । आरोपी द्वारा हसिया को महिला के गले के पास रखकर उसको जान से मार देने की धमकी देते हुये कहने लगा कि मेरे पास आओगे तो उसके गले को काट दूंगा और तुम लोगो को भी मार दूंगा कहते हये धमकी दे रहा था जिससे प्रार्थी व उसके भाई पिता जी काफी भयभीत हो गये । प्रार्थी की मां बचने का प्रयास कर भागने लगी तब वह आरोपी द्वारा धक्का देकर भाग रहा था जिसे लोगों की मदद से आरोपी को पकड़ा जिसको सूचना थाना अकलतरा पुलिस एवं डायल 112 को सूचना मिलने पर तत्काल घटना स्थल पहुंचकर विधिवत कार्यवाही करते हुए आरोपी को हिरासत में लेकर आरोपी के विरूद्ध अपराध क्रमांक 405/2025 धारा 331(4),351(3),115(2) ,309(5) BNS कायम कर विवेचना मे लिया गया है । प्रकरण की घटना को गंभीरता से लेते हुए विजय पाण्डेय पुलिस अधीक्षक जांजगीर चांपा के निर्देशन में तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश कुमार कश्यप के कुशल मार्गदर्शन में आरोपी चेतन महंती के विरुद्ध त्वरित कार्रवाई करते हुए विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया ।

न्यायधानी बिलासपुर में मिलेगा एम्स स्तर का इलाज

शासकीय सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल और एम्स रायपुर का समझौता

लोकशक्ति

रायपुर, । छत्तीसगढ राज्य की स्वास्थ्य सेवाओं को नई ऊँचाइयों पर ले जाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए 25 अगस्त 2025 को कुमार साहब स्व. दिलीप सिंह जूदेव शासकीय सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल, बिलासपुर और अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (AIIMS), रायपुर के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस करार से प्रदेशवासियों को अब अपने ही शहर में अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाएँ और उच्चस्तरीय स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध हो सकेंगी।

समारोह में एम्स रायपुर की ओर से कार्यकारी निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी लेफ्टिनेंट जनरल अशोक जिंदल (सेवानिवृत्त), अधिष्ठाता (अनुसंधान) डॉ. अभिरुचि गल्होत्रा, सह-अधिष्ठाता (अनुसंधान) डॉ. एकता खंडेलवाल तथा अतिरिक्त प्राध्यापक डॉ. राकेश गुप्ता उपस्थित रहे। वहीं सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल, बिलासपुर की ओर से चिकित्सा अधीक्षक डॉ. भानु प्रताप सिंह, प्रोफेसर डॉ. अर्चना सिंह और सह-प्रोफेसर डॉ. अभिषेक कुमार मौजूद थे। इस अवसर पर डॉ. भानु प्रताप सिंह ने कहा कि इस समझौता ज्ञापन से अस्पताल के चिकित्सकों और पैरामेडिकल स्टाफ को एम्स जैसे प्रतिष्ठित संस्थान से जोड़ा जाएगा। इसके अंतर्गत उन्हें समय-समय पर नवीनतम तकनीकों और उन्नत चिकित्सा पद्धतियों का प्रशिक्षण प्राप्त होगा। साथ ही शोध कार्यों और नई तकनीकों को लागू करने में भी सहयोग मिलेगा। इस साझेदारी का सीधा लाभ प्रदेश के आम नागरिकों को मिलेगा, क्योंकि उन्हें अपने ही शहर में उच्च स्तरीय स्वास्थ्य सुविधाएँ उपलब्ध होंगी, डॉ. सिंह ने कहा। उन्होंने आगे बताया कि बिलासपुर आयुक्त श्री सुनील जैन और कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने उन्हें प्रेरित किया कि वे एम्स रायपुर का भ्रमण कर वहाँ की कार्यप्रणाली को समझें और सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में भी वैसी ही सुविधाओं का विकास करें।

एम्स रायपुर के कार्यकारी निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी ले. जनरल अशोक जिंदल (सेवानिवृत्त) ने इस अवसर पर कहा कि एम्स हमेशा सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल, बिलासपुर के चिकित्सकों, नर्सों और कर्मचारियों को नैदानिक प्रशिक्षण, संकाय आदान-प्रदान, सहयोगी शोध, टेलीमेडिसिन सेवाओं तथा बहु-केंद्रीय अध्ययनों में हर संभव सहयोग प्रदान करेगा। उन्होंने छत्तीसगढ़ शासन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य सरकार लगातार सार्वजनिक स्वास्थ्य मॉडल को मजबूत करने और एकीकृत प्रणाली को बढ़ावा देने की दिशा में उल्लेखनीय कार्य कर रही है।

जिला भाजपा अध्यक्ष गोपाल मोदी पहुंचे जश्न रिसोर्ट, पंडित विजय शंकर मेहता से लिया आशीर्वाद

कोरबा, पितृमोक्षार्थ गयाश्राद्धांतर्गत मातनहेलिया परिवार द्वारा जश्न रिसोर्ट कोरबा में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के दूसरे दिन जिला भाजपा अध्यक्ष गोपाल मोदी कथा स्थल पहुंचे और आज के प्रसहन कपिल गीता, शिव सती चरित्र एवं भरत चरित्र कथा का श्रवण किया और कथा समाप्ति के बाद वे कथावाचक पंडित विजय शंकर मेहता से आशीर्वाद लिया।

जिला चेम्बर ऑफ कामर्स, अग्रवाल सभा के पूर्व अध्यक्ष तथा भाजपा नेता रामसिंह अग्रवाल ने भी कथा का श्रवण किया और पंडित श्री मेहता से आशीर्वाद लिया। श्री मोदी के साथ मंडल अध्यक्ष योगेश मिश्रा, रमाकांत साहू, अजय चंद्रा, लक्कीनंदा सहित अन्य भाजपा नेता भी शामिल थे। श्री मोदी ने कहा कि पंडित विजय शंकर मेहता के श्रीमुख से निकले एक-एक शब्द में जीवन का यथार्थ दिखा और कथा सुनने से मन में अद्भुत शांति की प्राप्ति हुई। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि समय निकालकर कथा सुनने अवश्य पहुंचे, क्योंकि यहां आपको सुखद जीवन के लिए जीवन प्रबंधन की कला भी सिखने को मिलेंगे।

खास खबर

उदया तिथि से शुरू हुआ तीजा, पूजा रात्रि को ही

कोरबा,। भाद्रपद शुक्ल पक्ष की तृतीया को हरितालिका तीजा व्रत हिंदू महिलाएं रखने के साथ रात्रि को पूजा करेंगीं। घरों के अलावा शिव मंदिरों में भी इसके लिए तैयारी की जा रही है। पर्व के लिहाज से कोरबा और आसपास के क्षेत्र के बाजार में रौनक बनी हुई है।

प्राचीन मान्यताओं के अंतर्गत अखंड सौभाग्य की कामना से महिलाएं इस व्रत को कर रहीं हैं। इसमें परंपरागत रूप से सुहाग की सामाग्री के अलावा फल-फूल अर्पित करने के साथ कथा का श्रवण किया जाएगा। पंडित दशरथ नंदन द्विवेदी ने बताया कि इस बार हरितालिका तीज पर चतुर्थी का भी संयोग बन रहा है। यह अपने आपमें विशिष्टत है। चूंकि तृतीया का उदय सही समय पर हुआ है ऐसी स्थिति में अगर मध्याह्न के बाद दूसरे दिवस की शुरुआत होती भी है तो पूजन का विधान रात्रि को ही है और यह मान्य है। उक्तानुसार व्रत पारायण अगले दिवस ही किया जाना विधि सम्मत होगा।

अग्रसेन पब्लिक स्कूल में 'सजग कोरबा' अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम हुआ आयोजित

कोरबा पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी के निर्देशानुसार जिले में चल रहे सजग कोरबा अभियान के अंतर्गत दिनांक 25 अगस्त 2025 को अग्रसेन पब्लिक स्कूल में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का संचालन महिला सहायता एवं परिवार परामर्श केंद्र कोरबा तथा थाना यातायात कोरबा द्वारा किया गया।

कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों को गुड टच-बैड टच, ऑनलाइन शिकायत प्रक्रिया, पुलिस विभाग का अभिव्यक्ति ऐप, बच्चों से संबंधित कानूनी जानकारी, मार्शल आर्ट्स एवं यातायात नियमों की महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक श्री सियाराम बंजारे ने भी बच्चों को उपयोगी मार्गदर्शन प्रदान किया।

जागरूकता कार्यक्रम में लगभग 500 छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में थाना यातायात प्रभारी निरीक्षक तेज कुमार यादव, उपनिरीक्षक मनोज राठौर, म.प्र.आर. 94 बेनेदिक्ता ग्लोरिया बेक, म.आर. 675 अनुसुईया भानु, म.आर. 193 बिंदेद्वरी साहू, म.आर. 810 अंजु, सुचिता पन्ना, आर. 726 ओमप्रकाश निर्मलकर एवं यातायात स्टाफउपस्थित रहे।

शराब दुकानों में पूर्णत: कैशलेश व्यवस्था होगी स्थापित – लखनलाल देवांगन

कोरबा, प्रदेश के वाणिज्यिक कर (आबकारी) मंत्री लखन लाल देवांगन ने सोमवार को मंत्रालय महानदी भवन में आबकारी विभाग के काम-काज की समीक्षा की। बैठक में मंदिरा दुकानों की व्यवस्था सहित लायसेंस व्यवस्था, मार्केटिंग कार्पोरेशन, विभागीय संरचना प्रदेश में बार-क्लब की जानकारी, मंदिरा की गुणवत्ता सहित आबकारी राजस्व के संबंध में विस्तार से चर्चा हुई।

वाणिज्य कर आबकारी विभाग की सचिव श्रीमती आर.शंगीता ने विभागीय गतिविधियों का प्रस्तुतिकरण के जरिए विस्तार से जानकारी दी।

कोल इंडिया ने ठेका श्रमिकों के लिए शुरू की सामाजिक सुरक्षा योजनाएं

कोरबा लोकशक्ति।

कोल इंडिया ने अपनी सहायक कंपनियों, बीसीसीएल और ईसीएल में कार्यरत ठेका श्रमिकों के लिए कई सामाजिक सुरक्षा योजनाएं शुरू की हैं। इन योजनाओं का उद्देश्य ठेका श्रमिकों के जीवन को बेहतर बनाना और उन्हें सामाजिक सुरक्षा प्रदान करना है।

योजनाओं के विवरण वेतन भुगतान- ठेका श्रमिकों का वेतन अब कॉर्पोरेट सैलरी अकाउंट के जरिए बैंकों में जमा होगा।

शिक्षा- ठेका श्रमिकों के बच्चों को कंपनी के वित्त पोषित स्कूलों में रियायती ट्यूशन फीस का लाभ मिलेगा। आइटीआई, एनआईटी, सरकारी मेडिकल, इंजीनियरिंग कॉलेज और पॉलीटेक्निक में पढ़ने वाले बच्चों को ट्यूशन फीस में 50 फीसदी सहायता दी जाएगी।

बीमा- श्रमिकों को प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा और भारतीय डाक दुर्घटना बीमा योजनाओं से जोड़ा जाएगा।

आवास- ठेकेदारों के माध्यम से श्रमिकों को आवास सुविधा भी मिलेगी। तीन साल से अधिक समय से कार्यरत श्रमिकों को जमानत राशि जमा कर न्यूनतम किराए पर आवास दिया जाएगा।

स्वास्थ्य और कल्याण:- चिकित्सा सुविधाएं- श्रमिकों की पत्नियों और 18 वर्ष तक के बच्चों को कंपनी अस्पतालों में ओपीडी चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध होंगी। जागरूकता- श्रमिकों को जुआ, शराब और अंधाधुंध उधारी के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया जाएगा।

कोल इंडिया का प्रयास:- कोल इंडिया चेयरमैन पीएम प्रसाद ने कहा कि ठेका श्रमिकों की सुविधा समेत अन्य मामलों पर कोल इंडिया अध्ययन कर निर्णय ले रही है। आने वाले समय में इसका परिणाम दिखेगा। श्रमिकों का वेतन कारपोरेट अकाउंट के जरिए किया जा रहा है और कई तरह के लाभ उन्हें मिलेंगे ।

कोल लिफ्टर रोहित हत्या काण्ड मामले में दूसरे पक्ष के आरोपियों को गिरफ्तार कर भेजा गया

कोरबा संवाददाता । पाली क्षेत्र में उस वक्त गहमा-गहमी एक बार फिर बढ़ गई जब विगत महीने में हुए कोल लिफ्टर रोहित जायसवाल की हत्या के मामले में दूसरे पक्ष की गिरफ्तारी हुई। सोमवार को न्यायालय में दोनों पक्ष के अधिवक्ताओं में काफ ी जोरदार जिरह (बहस) हुई और उन्होंने अपने-अपने तर्क रखे। एक पक्ष की ओर से जहां अधिवक्ता ने रोहित जायसवाल के परिजनों व अन्य के विरुद्ध दर्ज धाराओं में गिरफ्तारी की बात जोर-शोर से रखी तो बचाव पक्ष के अधिवक्ता ने अपना तर्क प्रस्तुत किया। दोनों पक्ष के तर्कों को सुनने के बाद न्यायालय के निर्देश पर गिरफ्तारियां कर इन्हें जेल भेजा गया। जिले के पाली ब्लाक में संचालित एसईसीएल कोरबा क्षेत्र अंतर्गत सरायपाली उपक्षेत्र कोयला खदान क्षेत्र में घटना दिनांक 28 मार्च 2025 की रात 10 से 11 बजे के मध्य कोयला लोडिंग को लेकर हुए विवाद में कोल लिफ्टर रोहित जायसवाल पर जानलेवा हमला किया गया जिसमें उसकी हत्या हो गई। इस मामले में जहां मृतक रोहित के भाई अनिल जायसवाल की रिपोर्ट पर रोशन सिंह ठाकुर सहित 16 लोगों के विरुद्ध पाली थाना में अपराध पंजीकृत किया गया। दूसरी तरफ रोशन सिंह ठाकुर के परिवार से श्रीमती संध्या ठाकुर के द्वारा रोहित जायसवाल के परिजनों व परिचितों के विरुद्ध तोड़फोड़, आगजनी व अन्य धाराओं के तहत अपराध पंजीबद्ध कराया गया। गैर जमानती धाराओं में दर्ज कराए गए अपराध में राहुल जायसवाल उर्फ??अंकुश जायसवाल पुत्र उमाशंकर जायसवाल, कन्हैया जायसवाल उर्फ कृष्ण कुमार पुत्र विजय प्रकाश जायसवाल, अनिल कुमार जायसवाल पुत्र वेदप्रकाश जायसवाल, धर्मराज मरावी उर्फ धरमू मरावी पुत्र रामभरोसे मरावी (हत्या का चश्मदीद), राजेश डोंगरे पुत्र स्व. रामखिलावन डोंगरे (प्रत्यक्षदर्शी) व अन्य को आरोपी बनाया गया है।

रजगामार में डेढ़ करोड़ का भुगतान अटका, नए काम पर ब्रेक निर्वाचित प्रतिनिधियों के साथ जनता परेशान

कोरबा, । विकासखंड कोरबा की रजगामार ग्राम पंचायत का भायोग्दय कब होगा, यह स्थानी जनप्रतिनिधियों के साथ यहां की जनता के लिए सबसे बड़ा सवाल बन गया है। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव को संपन्न हुए 6 महीने का समय हो चुका है लेकिन अब तक इस पंचायत में नए कामकाज का अतापता नहीं है। जानकारी के अनुसार काफी समय से अलग-अलग मामलों को लेकर विवाद की जो स्थिति बनी हुई है उसमें कमी आने के बजाय अब बढ़ोतरी होती जा रही है। हर स्तर पर खींचतान ने यहां की दुर्दशा कर रखी है। जानकारी मिली है कि पिछले कार्यकाल में ग्राम पंचायत के द्वारा अलग-अलग क्षेत्र में कराए गए कार्यों के एक करोड़ 56 लख रुपए का भुगतान अब तक अटका हुआ है। सत्यापन के बाद भी इस दिशा में अगली कार्यवाही नहीं हो सकी है। ऐसे में काम करने वाली एजेंसी तो परेशान है ही उन लोगों के सामने भी चुनौती बनी हुई है जिन्होंने ग्राम पंचायत को विभिन्न प्रकार के सामान उपलब्ध कराए। भुगतान की व्यवस्था न होने से बाजार में उनकी क्रेडिबिलिटी पर बुरा असर पड़ रहा है।

जानकारी मिली है कि पुराने विवाद ,नई शिकायत और अब प्रेस्टीज इश्यू के चक्कर में रजगामार पंचायत में हालात इतने खराब हो चुके हैं कि ना तो पिछले भुगतान को लेकर गंभीरता दिखाई जा रही है और ना ही जन आवश्यकता से संबंधित नए कार्यों के प्रस्तावों को पारित किया जा सक रहा है। इस चक्कर में किसी भी प्रकार के कार्यों को गति दिया जाना सबसे जटिल हो गया है। सूचनाओं में बताया गया कि कुछ समय पहले पिछले भुगतान को समायोजित करने की बात की गई लेकिन बाद में इससे भी कन्नी काट ली गई। सबसे बड़ी परेशानी इस पंचायत में काम करने वाले लोगों के सामने है, जो इस बात को लेकर चिंतित है कि उन्होंने धरातल पर जिन कार्यों को कराया आखिर उनका भुगतान आखिर हो भी पाएगा या नहीं।

सीएसईबी के मुख्य अभियंता संजीव कंसल बने यूथ हॉस्टल कोरबा यूनिट के संरक्षक

कोरबा,। कोरबा जिलान्तर्गत सीएसईबी के मुख्य अभियंता संजीव कंसल ने यूथ हॉस्टल कोरबा यूनिट का संरक्षक पद स्वीकार किया है। यह जानकारी यूथ हॉस्टल कोरबा यूनिट के चेयरमैन संदीप सेठ ने दी।

इस अवसर पर यूनिट के प्रमुख सदस्य सतीश शुक्ला, पी.एल. मिरेन्द्र, श्रीमती शिव कुमारी एवं श्रीमती कल्पना ने सीएसईबी प्लांट का दौरा किया। इस टीम में सक्रिय सदस्य तोमर एवं अतुल शुक्ला भी सम्मिलित रहे। टीम ने संजीव कंसल से उनके कार्यालय में भेंट की, जहाँ यूनिट चेयरमैन संदीप सेठ ने यूथ हॉस्टल द्वारा संचालित साहसिक एवं विकासात्मक गतिविधियों की जानकारी प्रस्तुत की। श्री कंसल ने प्रस्ताव को सहर्ष स्वीकार किया। इस अवसर पर सतीश शुक्ला ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया और उन्हें वाई.एच.ए.आई. का आधिकारिक बैज पहनाकर सम्मानित किया गया। उल्लेखनीय है कि यूथ हॉस्टल कोरबा यूनिट की स्थापना वर्ष 1999 में स्व. संजीव सोनी के नेतृत्व में हुई थी। साथ ही, 26 अगस्त को फाउंडेशन डे के रूप में मनाया जाता है, जो कि जर्मन शिक्षक स्व. रिचर्ड शिर्मान की स्मृति को समर्पित है, जिन्होंने विश्व में यूथ हॉस्टल आंदोलन की नींव रखी थी।

प्रेम से भी बड़ा है वात्सल्य- पंडित विजय शंकर मेहता

कोरबा, लोकशक्ति।

पितृमोक्षार्थ गयाश्राद्धांतर्गत मातनहेलिया परिवार द्वारा जश्न रिसोर्ट कोरबा में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के तीसरे दिन कथा वाचक पंडित विजय शंकर मेहता ने भगवान और भक्त के बीच जड़भरत का प्रहसन सुनाते हुए कहा कि यदि आपको भगवान से भक्ति करनी है तो वात्सल्य के साथ करिए। उन्होंने वात्सल्य को प्रेम से भी बड़ा बताते हुए कहा कि भगवत गीता में भगवान वात्सल्य शब्द आता है। भगवान भक्तों से वात्सल्य रखते हैं, ठीक उसी तरह जिस तरह मां अपने बच्चों से प्रेम नहीं बल्कि वात्सल्य रखते हैं। मां और बच्चों के बीच जो प्रेम होता है, उसे वात्सल्य कहते हैं।

धन की शुद्धि होती है दान से

पंडित श्री मेहता ने कहा कि जिस तरह से तन की शुद्धि स्नान से, मन की शुद्धि ध्यान से होती है, उसी तरह धन की शुद्धि दान से होती है। उन्होंने कहा कि अपनी आय का 10 प्रतिशत लाभांश दान में दें और रोज कुछ न कुछ अच्छा करिए। मैं यह नहीं कहता कि दान सिर्फब्राह्मणों को दें। गरीब कन्याओं, दिव्यांग कन्याओं के विवाह, गरीब बच्चों की शिक्षा के लिए, अस्पताल, स्कूल निर्माण के दान में दें। अच्छा कर्म करने से व्यक्तित्व में निखार आता है।

जड़भरत की तरह अपने मन के भोलापन को निखारें जड़भरत की कथा सुनाते हुए पंडित विजय शंकर मेहता ने कहा कि जड़भरत भारत के वे महान व्यक्ति हैं, जिन्होंने अपनी पूरी फसल गायों को चरा दी थी और स्वयं मंदिर के पास बैठकर परिवार का पालन किया। उन्होंने कहा कि अपने मन के भोलेपन को दूसरों की भलाई में लगाईये। जो महान व्यक्ति पर अपराध करता है, उलट स्वयं के ऊपर आता है। मैं तो कहता हूं कि बुरे आदमी पर भी आप बुरा मत सोचिए।

उम्मीद परेशान करता है

पंडित विजय शंकर मेहता ने कहा कि आप दूसरों के लिए अच्छा करते हैं, अच्छी बात है, लेकिन दूसरों से उम्मीद मत रखिए। उम्मीद परेशान करता है। उन्होंने जीवन में खुश रहने के उपाय भी बताए, कहा-ईश्वर के प्रति भरोसा मजबूत रखें, दूसरों के लिए मददगार बनें, शांत रहना सीखें, अहंकार रहित बनें, अपेक्षा रहित बनें। जब ये सब गुण आ जाएंगे, तो यकीन मानिए, आपका परिवार भी खुशहाल बनेगा और परिवार बचा रहेगा।

सोने से पहले बच्चों का विचार सकारात्मक हो उन्होंने कहा कि 21 साल से छोटे बच्चों की दिनचर्या पर अभिभावक नजर जरूर रखें। सोते समय यदि बच्चों के मन में अच्छे-अच्छे विचार आएंगे, तो नींद भी अच्छी आएगी और मस्तिष्क का विस्तार भी होगा। उन्होंने माताओं से अपील करते हुए कहा कि यदि आपका बच्चा सोता है तो हनुमान चालीसा का एक दोहा पढ़ते हुए सर पर हाथ फेर दें, तो 15 दिन में ही बदलाव दिखेगा। सोने से पूर्व बच्चों के मस्तिष्क में सकारात्मक विचार का आना जरूरी है।

यातायात के नियमों का पालन करें

कथा प्रारंभ से पूर्व यातायात प्रभारी निरीक्षक तेजकुमार यादव पंडित विजय शंकर मेहता से मिलने पहुंचे थे। कथा में पंडित श्री मेहता ने उपस्थित श्रोताओं से कहा कि मुझसे मिलने पुलिस अधिकारी पहुंचे थे और उनके निवेदन पर मैं यह अपील करता हूं कि छोटे बच्चों को गाड़ी चलाने से मना करें और वयस्क जब भी गाड़ी चलाएं, हेलमेट लगाएं, सीटबल्ट लगाएं और यातायात नियमों का पालन करें।

मंत्री और महापौर ने किया कथा का श्रवण कथा के तीसरे दिन मंत्री लखनलाल देवांगन, महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत सहित कई वरिष्ठ भाजपा नेता कथा श्रवण करने जश्न रिसोर्ट पहुंचे और कथावाचक की दिव्य वाणी से निकली भगवत कथा का श्रवण किया। मंत्री श्री देवांगन एवं महापौर श्रीमती राजपूत ने कथा समाप्ति के बाद पंडित विजय शंकर मेहता से आशीर्वाद लिया।

शराबबंदी के लिए दीपका पुलिस ने किया ग्राम रक्षा समिति का गठन

कोरबा । जिले के थाना दीपका क्षेत्रांतर्गत ग्राम नोनबिर्रा में पूर्ण शराबबंदी की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया। दीपका पुलिस ने ग्रामीणों को नशामुक्ति के लिए प्रेरित करते हुए ग्राम सरपंच पुष्पलता पोर्ते एवं अन्य महिलाओं की उपस्थिति में व्यापक जागरुकता अभियान चलाया। इस दौरान पुलिस टीम ने ग्रामीणों को समझाइश दी कि शराब ग्राम की सामाजिक व्यवस्था, पारिवारिक माहौल और युवाओं के भविष्य के लिए हानिकारक है। कार्यक्रम के तहत ग्राम में ग्राम रक्षा समिति और महिला समिति का गठन किया गया। इन समितियों को ग्राम में शराबबंदी लागू करने और नशामुक्त वातावरण बनाने की जिम्मेदारी सौंपी गई। इसके बाद महिला समिति और ग्रामीणों की अगुवाई में पूरे ग्राम में जागरुकता रैली निकाली गई। रैली में महिलाओं और युवाओं ने शराब छोड़ो, परिवार बचाओ, नशामुक्त गांव, खुशहाल जीवन जैसे नारे लगाए। इससे पूरे गांव में उत्साह और संकल्प का माहौल बना।

थाना प्रभारी प्रेमचंद साहू के मार्गदर्शन में पुलिस ने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि ग्राम में शराब बेचने या बनाने वालों को किसी भी तरह की ढील नहीं दी जाएगी। ऐसे लोगों पर आबकारी अधिनियम एवं प्रतिबंधात्मक धाराओं के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस पहल से ग्रामीणों, खासकर महिलाओं ने पुलिस को सहयोग देने का भरोसा जताया और संकल्प लिया कि नोनबिर्रा को नशामुक्त ग्राम बनाया जाएगा।

17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक चलेगा सेवा पखवाड़ा अभियान - अरूण साव

0 छत्तीसगढ़ के सभी नगरीय निकायों में चलेगा अभियान

0 राजधानी रायपुर को सफाई के मामले में मिली रैंकिंग

रायपुर, आरएनएस । छत्तीसगढ़ में भी स्वच्छ शहर प्रतियोगिता की तैयारी पूर्ण। अगले महीने से निकायों का होगा सर्वे 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक सेवा ही पखवाड़ा अभियान चलेगा। मिली जानकारी के अनुसार राज्य में इस समय स्वच्छता देश में रैंकिंग प्राप्त है। इसलिए अब यहां पर नए सिरे से सेवा पखवाड़ा अभियान 17 सितंबर से शुरू होकर 2 अक्टूबर तक चलेगा। साव ने बताया कि यह अभियान नगरीय निकायों में शुरू किया जाएगा। प्रदेश में 11 नगर निगम, 80 नगरपालिकाएं एवं 110 नगर पंचायत हैं। इन सभी स्वच्छता अभियान के लिए स्वच्छता दीदीयों का सहारा लिया जाएगा।

इंदौर के बाद रायपुर शहर स्वच्छ अभियान रैंकिंग प्राप्त कर चुका है इसलिए विभिन्न महापौर एवं सांसदों को इंदौर का दौरा कराया जा रहा है ताकि वे साफ सफाई व्यवस्था का अवलोकन कर सकें। इस समय घर-घर जाकर कचरा उठाने का अभियान शुरू किया गया है ताकि साफ-सफाई अभियान शुरू हो सके। देश प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यह अभियान शुरू किया था। इसके तहत स्वच्छ शहरों को रैंकिंग प्रदान की जाती है।

घर के बाहर खड़ी ई-रिक्शा पार

रायपुर, । भरत नगर गुढ़ियारी में घर के बाहर खड़ी ई-रिक्शा को अज्ञात चोर ने पार कर दिया। प्रार्थी की शिकायत पर गुढ़ियारी पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है।

मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी खेमलाल साहू 24 वर्ष भरत नगर गुढ़ियारी का रहने वाला है। बताया जाता है कि प्रार्थी अपनी ई-रिक्शाा क्रमांक सीजी 04 क्यूबी 3361 को अपने घर के बाहर खड़ी किया था, तभी अज्ञात चोर ने पार कर दिया। चोरी गए ई-रिक्शा की कीमत करीब 1 लाख 40 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। प्रार्थी की शिकायत पर गुढ़ियारी पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

श्रीगणेश चतुर्थी-पर्युषण पर्व पर मांस-मटन विक्रय प्रतिबंधित

रायपुर, रायपुर नगर पालिक निगम की महापौर श्रीमती मीनल चौबे के निर्देश पर नगर पालिक निगम रायपुर के सम्पूर्ण परिक्षेत्र में श्रीगणेश चतुर्थी दिनांक 26 अगस्त,, पर्युषण पर्व का अंतिम दिवस दिनांक 27 अगस्त 2025 को मांस - मटन का विक्रय पूर्ण रूप से प्रतिबंधित रहेगा। इस सम्बन्ध में छत्तीसगढ़ शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के आदेश के परिपालन में रायपुर नगर पालिक निगम के स्वास्थ्य विभाग की ओर से नगर पालिक निगम स्वास्थ्य अधिकारी श्री प्रीति सिंह ने श्रीगणेश चतुर्थी दिनांक 26 अगस्त, पर्युषण पर्व का अंतिम दिवस दिनांक 27 अगस्त 2025 को रायपुर नगर पालिक निगम के सम्पूर्ण परिक्षेत्र में स्थित पशुवध गृह एवं समस्त मांस - मटन विक्रय की दुकानों को बंद रखे जाने का आदेश जारी किया है। श्रीगणेश चतुर्थी दिनांक 26 अगस्त, पर्युषण पर्व का अंतिम दिवस दिनांक 27 अगस्त 2025 को नगर पालिक निगम रायपुर के जोन स्वास्थ्य अधिकारीगण, जोन स्वच्छता निरीक्षकगण मांस- मटन के विक्रय पर प्रतिबन्ध के आदेश का व्यवहारिक पालन सुनिश्चित करवाएंगे और इस हेतु अपने - अपने सम्बंधित जोन क्षेत्रों में मांस - मटन की दुकानों का सतत निरन्तर पर्यवेक्षण करेंगे। रायपुर नगर पालिक निगम की महापौर श्रीमती मीनल चौबे के निर्देश पर प्रतिबंध आदेश का व्यवहारिक पालन करवाने होटलों में उक्त पावन पर्व दिवसों पर मांस- मटन विक्रय करने पर जप्ती की कार्यवाही कर सम्बंधित व्यक्ति के विरूद्ध यथोचित कार्यवाही भी की जाएगी।

भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं पूर्व विधायक श्रीमती रंजना डीपेंद्र साहू ने गणेश चतुर्थी पर्व पर क्षेत्रवासियों को दी शुभकामनाएं

धमतरी (आरएनएस)। गणेश चतुर्थी के पावन अवसर पर भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश उपाध्यक्ष एवं धमतरी पूर्व विधायक श्रीमती रंजना डीपेंद्र साहू ने समस्त क्षेत्रवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई दी है, उन्होंने अपने शुभकामना संदेश में कहा कि भगवान श्री गणेश जी सभी के जीवन में सुख, समृद्धि, बुद्धि और शांति प्रदान करते हैं। यह पर्व हम सभी को एकता, भक्ति और सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति जागरूक करता है। श्रीमती साहू ने आगे कहा कि गणेश चतुर्थी केवल एक धार्मिक उत्सव नहीं, बल्कि हमारी आस्था और परंपरा का प्रतीक है। उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि वे इस पर्व को स्वच्छता और पर्यावरण के प्रति जागरूक रहते हुए मनाएं और स्थानीय कलाकारों द्वारा निर्मित मिट्टी की प्रतिमाओं को प्राथमिकता दें। इस अवसर पर उन्होंने क्षेत्र में सामाजिक सौहार्द और विकास के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर भी बल दिया।

छत्तीसगढ़ की संस्कृति और कला की पहचान है रायगढ़ का चक्रधर समारोह : मुख्यमंत्री

आस्था, संस्कृति, साहित्य-कला के अद्भुत संगम 'चक्रधर समारोह' का आगाज

रायपुर,संवाददाता।

रायगढ़ की सांस्कृतिक धरोहर और शास्त्रीय कला की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए 40वें चक्रधर समारोह का भव्य शुभारंभ 27 अगस्त को हुआ। राज्यपाल रमेन डेका ने विधिवत पूजा-अर्चना कर उत्सव का उद्घाटन किया और संगीत सम्राट राजा चक्रधर सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित की।

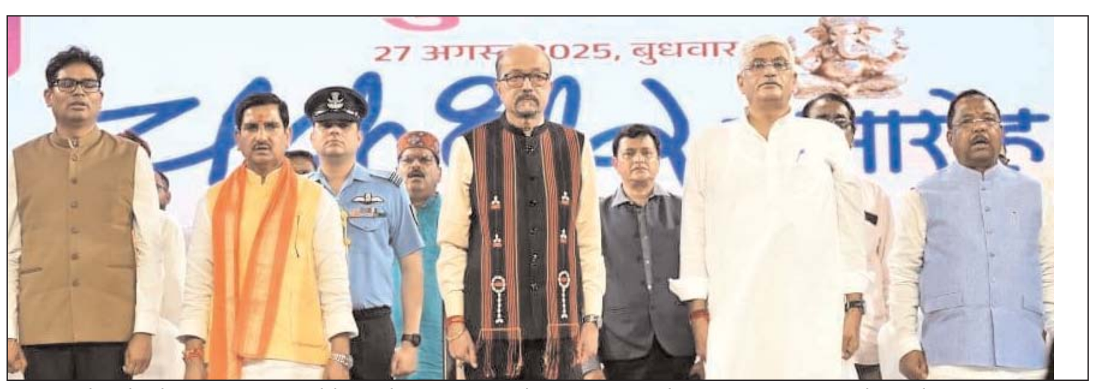

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि चक्रधर समारोह छत्तीसगढ़ की परंपरा, इतिहास और कलाओं की सुंदरता को अनुभव करने का अद्भुत अवसर है। रायगढ़ का चक्रधर समारोह छत्तीसगढ़ की संस्कृति और कला की पहचान है। उन्होंने कहा कि गणेशोत्सव की परंपरा से जुड़ा यह आयोजन आज भारतीय शास्त्रीय संगीत और नृत्य की लय और माधुर्य से पूरी दुनिया को मंत्रमुग्ध करता है। यह समारोह न केवल छत्तीसगढ़ बल्कि पूरे भारत की सांस्कृतिक अस्मिता को गौरवान्वित करता है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इस अवसर पर कला-प्रेमियों को हार्दिक आमंत्रण देते हुए कहा कि महाराजा चक्रधर सिंह जी की स्मृति में आयोजित यह समारोह छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक यात्रा को और समृद्ध करता है। रायगढ़ की पुण्यभूमि, हमारी सांस्कृतिक धरोहर और कलाओं से परिपूर्ण है। यह वही धरती है जहाँ महाराजा चक्रधर सिंह जी ने भारतीय शास्त्रीय संगीत और नृत्य को नई पहचान दी और रायगढ़ को कला की राजधानी बना दिया। उन्होंने समस्त कला-प्रेमियों को आमंत्रित करते हुए कहा कि वे इस आयोजन का हिस्सा बनें और भारतीय कला-संस्कृति के माधुर्य का अनुभव करें।

मुख्यमंत्री श्री साय ने विश्वास व्यक्त किया कि चक्रधर समारोह की यह परंपरा आने वाली पीढ़ियों को कला और संस्कृति से जोड़ने का कार्य करेगी और न केवल रायगढ़, बल्कि छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक पहचान को भी सुदृढ़ बनाएगी।

राज्यपाल डेका ने कहा, ÷चक्रधर समारोह हमें अतीत की स्वर्णिम स्मृतियों से जोड़ता है और हमारी अमूल्य विरासत को संजोने का महान संकल्प है। राजा चक्रधर सिंह ने रायगढ़ की धरती से जिस सांस्कृतिक जागरण का सपना देखा था, यह उत्सव उसी का प्रतीक है।÷ उन्होंने बताया कि असम में भी राजा चक्रधर सिंह की स्मृति में पुरस्कार प्रदान किया जाएगा।

समारोह में शामिल केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि भारतीय संस्कृति की सबसे बड़ी ताकत उसकी विविधता में एकता है। उन्होंने रायगढ़ घराने के योगदान को रेखांकित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत सांस्कृतिक पुनर्जागरण के दौर से गुजर रहा है और नक्सल प्रभावित छवि से निकलकर छत्तीसगढ़ अब संस्कृति और पर्यटन का नया केंद्र बन रहा है।

वित्त मंत्री ओ. पी. चौधरी ने कहा कि चक्रधर समारोह को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के प्रयास जारी हैं और रायगढ़ में विकास कार्यों के साथ सांस्कृतिक पहचान को और सशक्त बनाया जा रहा है।

राज्यसभा सांसद देवेंद्र प्रताप सिंह ने इसे ऐतिहासिक क्षण बताया और कहा कि राजा चक्रधर सिंह ने कथक नृत्य को अंतरराष्ट्रीय पहचान दी। रायगढ़ सांसद राधेश्याम राठिया ने कहा कि यह आयोजन रायगढ़ की प्रतिष्ठा को और ऊँचाइयों तक ले जा रहा है।

दुकान के गल्ले से नकदी रकम पार

रायपुर, सीटी सेंटर मॉल के पीछे दुकान के काउण्टर से अज्ञात चोर ने 1 लाख 30 हजार रुपए पार कर दिया। प्रार्थी की शिकायत पर देवेन्द्र नगर पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी महेश गुरूनानी 55 वर्ष कवितानगर खम्हारडीह का रहने वाला है। प्रार्थी का सीटी सेंटर मॉल के पीछे दुकान है। बताया जाता है कि अज्ञात चोर ने उसके दुकान के काउंटर से 1 लाख 30 हजार रुपए पार कर दिया। प्रार्थी की शिकायत पर देवेन्द्र नगर पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

टैंकर की टक्कर से युवक की मौत

रायपुर, (आरएनएस)। सेजबहार चौक के पास टैंकर की टक्कर से युवक की मौत हो गई। मामले में मुजगहन पुलिस ने टैंकर चालक के खिलाफ अपराध दर्ज किया है।

मिली जानकारी के अनुसार मृतक उत्तम पटेल 35 वर्ष आरके ढाबा निमोरा का रहने वाला था। बताया जाता है कि मृतक पैदल सेजबहार चौक के पास जा रहा था, तभी टैंकर क्रमांक जीजे 06 बीवी3474 के चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए मृतक को अपनी चपेट में ले लिया। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मामले में पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं टैंकर चालक को हिरासत में लिया है।

सीएम साय ने की बाढ़ की समीक्षा, हर संभव मदद उपलब्ध कराने के निर्देश दिए

रायपुर ।

मुख्यमंत्री साय ने गुरुवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बस्तर संभाग के बाढ़ प्रभावित जिलों बस्तर, दंतेवाड़ा, बीजापुर और सुकमा में राहत व पुनर्वास कार्यों की समीक्षा की। की समीक्षा की। उन्होंने कलेक्टरों व वरिष्ठ अधिकारियों को प्रत्येक बाढ़ प्रभावित परिवार तक हर संभव मदद उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं।

उन्होंने कहा कि बाढ़ प्रभावित परिवारों की पीड़ा को शीघ्र कम करना प्रशासन की सर्वोच्च जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि लोगों को यह महसूस होना चाहिए कि संकट की इस घड़ी में प्रशासन उनके साथ मजबूती से खड़ा है।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि बाढ़ से हुई जनहानि और पशुहानि प्रभावित परिवारों को राहत राशि बिना विलंब के उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने कहा कि क्षतिग्रस्त आवासों के सुधार हेतु तिरपाल, बाँस-बल्ली और राहत राशि का वितरण प्राथमिकता से किया जाए।

उन्होंने कहा कि बाढ़ प्रभावित जिलों के प्रभारी सचिव अपने-अपने जिलों का भ्रमण करें और राहत कार्यों का सतत पर्यवेक्षण करें। मुख्यमंत्री ने संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि प्रभावित गाँवों से सड़क संपर्क बहाल करने, क्षतिग्रस्त पुल-पुलियों की मरम्मत और बिजली आपूर्ति पुनर्स्थापना का कार्य युद्धस्तर पर किया जाए।

समीक्षा बैठक में मुख्य सचिव अमिताभ जैन और मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध सिंह भी उपस्थित थे। मुख्य सचिव जैन ने कलेक्टरों से कहा कि यदि उन्हें शासन स्तर से अतिरिक्त सहयोग की आवश्यकता हो तो वे तुरंत प्रस्ताव भेजें, ताकि शासन स्तर पर शीघ्र निर्णय लिया जा सके। मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध सिंह ने कलेक्टरों को निर्देश दिया कि राहत शिविरों में भोजन, कपड़े और सूखा राशन की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। साथ ही, उन्होंने कहा कि राहत शिविरों और प्रभावित गाँवों में स्वास्थ्य शिविर और शुद्ध पेयजल की उपलब्धता भी अनिवार्य रूप से सुनिश्चित की जाए।

बैठक के प्रारंभ में राजस्व सचिव श्रीमती रीना बाबासाहेब कंगाले ने मुख्यमंत्री को बस्तर में बाढ़ की स्थिति और अब तक किए गए राहत कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सभी बाढ़ प्रभावित जिलों को अतिरिक्त राशन का आबंटन भी कर दिया गया है और सामग्री प्रभावित परिवारों तक पहुँचाई जा रही है।

दशलक्षण पर्यूषण महापर्व पर जिनालयों में आरंभ हुई अपूर्व प्रभावना

रायपुर संवाददाता। जैन समाज के महापर्व दशलक्षण पर्यूषण का शुभारंभ गुरुवार को भाद्रपद शुक्ल पंचमी, ऋषि पंचमी के दिन राजधानी रायपुर सहित प्रदेशभर के दिगंबर जैन जिनालयों में हुआ। यह पर्व अनंत चतुर्दशी तक चलेगा। महापर्व की शुरुआत उत्तम क्षमा धर्म से हुई। सुबह से ही मंदिरों में श्रावक-श्राविकाओं ने प्रभु की प्रतिमाओं का पाण्डुकशीला पर विराजमान कर शुद्ध प्रासुक जल से अभिषेक, शांतिधारा और दशलक्षण पूजन कर धर्मलाभ लिया। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की सहभागिता से जिनालयों का वातावरण भक्ति और साधना से सराबोर रहा। आज की शांतिधारा का सौभाग्य श्रेयश जैन बालू को प्राप्त हुआ। इस अवसर पर उन्होंने क्षमा धर्म की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ÷क्रोध पर विजय पाने से ही क्षमा को आत्मसात किया जा सकता है। क्षमा का अभ्यास आत्मा को शुद्ध करता है और जीवन को धर्ममार्ग पर अग्रसर करता है।÷ राजधानी के श्री आदिनाथ दिगंबर जैन बड़ा मंदिर (लघु तीर्थ), फांफाड़ीह स्थित श्री दिगंबर जैन मंदिर, लाभांडी का श्री पद्मप्रभु दिगंबर जैन मंदिर, टैगोर नगर का श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर, शंकर नगर का श्री चंद्रप्रभु जैन मंदिर तथा डी.डी. नगर का श्री वासुपूज्य दिगंबर जैन मंदिर सहित विभिन्न जिनालयों में पर्व की आराधना प्रारंभ हुई।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज की पत्रकारों से चर्चा

बस्तर में भारी बारिश सरकार राहत कार्य शुरू करे, मुआवजा दे

संवाददाता

रायपुर, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि बस्तर में भारी बारिश से जन जीवन अस्त व्यस्त हो गया है। अनेकों मार्ग बाधित हो गए है, दर्जनों गांव डूब गए है, उनका बाकी जगहों से संपर्क टूट गया है लोगों के मकान गिर गए है, मवेशी बह गए है। कई जगह वाहनों के बहने डूबने की खबरें आ रही एक पर्यटक परिवार बह गया परिवार के चार सदस्यों की मौत हो गई। जनता बाढ़ से बहुत परेशान है। हमारी मांग है सरकार बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में तुरन्त राहत एवं बचाव कार्य शुरू करे। ग्रामीणों को हुए नुकसान का आंकलन कर तुरंत मुआवजा वितरित किया जाए।

मुख्यमंत्री निवेश लाने विदेश गये है, राज्य में 4288 कंपनियां बंद हो चुकी है

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि मुख्यमंत्री विदेश से निवेश लाने का दावा कर जापान और दक्षिण कोरिया के दौरे पर है। प्रदेश में भाजपा की सरकार बनने के बाद 4288 कंपनिया बंद हो चुकी है। महंगी बिजली, उद्योग विरोधी नीति के कारण राज्य के उद्योग दम तोड़ रहे है। यहां पूर्व में संचालित स्पंज आयरन, रोलिंग मिलें, राइस मिल, सहकारी शक्कर कारखानें सरकार की उपेक्षा और उद्योग विरोधी नीतियों के चलते बंद हो गए हैं। मुख्यमंत्री बताये ऐसे में कैसे राज्य में बाहर से निवेश आयेगा? सरकार बताये कि इतनी बड़ी संख्यायें कंपनियां बंद कैसे हुई है?

एनएचएम कर्मचारियों की मांग को पूरा करने के बजाय बर्खास्त करने की धमकी देना अनुचित प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि 16000 से अधिक नेशनल रूरल हेल्थ मिशन के कर्मचारी हड़ताल पर है। भाजपा सरकार एनएचएम कर्मचारियों से किये गये वादे को पूरा करने के बजाये उन्हें नौकरी से बर्खास्त करने की धमकी दे रही है। भाजपा ने विधानसभा चुनाव के दौरान मोदी की गारंटी के नाम से एनएचएम कर्मचारियों को सरकार बनने तत्काल बाद नियमितीकरण करने का वादा किया था। 21 महीना सरकार बने हो गया है, लेकिन अभी तक उन्हें नियमित क्यों नहीं किया गया? अब सरकार एनएचएम कर्मचारियों की मांगों को केंद्र सरकार का मामला बताकर जिम्मेदारी से क्यों भाग रही है? जब मोदी की गारंटी नाम दिया गया तब क्या भाजपा ने सोचा नहीं था की गारंटी कैसे पूरी होगी? डबल इंजन की सरकार में एनएचएम कर्मचारियों की मांग पूरी होने में कोई दिक्कत नहीं होनी चाहिए? सरकार तानाशाही बंद करें, हड़ताली कर्मचारियों की मांगे माने।

50 फीसदी अमेरिकी टैरिफमोदी सरकार की कूटनीतिक विफलता प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि अमेरिकी सरकार ने आज से भारत के उत्पादों पर 50 फीसदी टैरिफ लगा दिया। यह मोदी सरकार की कूटनीतिक विफलता है। हमारे बहुत से उद्योगों पर इसका विपरीत प्रभाव पड़ेगा। मोदी तो खुद को ट्रंप का दोस्त बताते थे, उनके जीतने के लिए भाजपाइयों ने देश भर के मंदिरों में हवन किया था। अब मोदी इसके खिलाफ स्टैंड क्यों नहीं लेते?

यदि वह हमारे उत्पादों पर 50 फीसदी टैरिफलगा सकता है तो हमें भी अमेरिकी उत्पादों के साथ वैसा ही करना चाहिए। भारत दुनिया का सबसे बड़ा बाजार है उनको भी हमारी जरूरत है।

भाजपा कार्यकर्ता ने मांगी इच्छा मृत्यु

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी अपने कार्यकर्ताओं की रक्षा नहीं कर पा रही है। एक खबर आई है कि सूरजपुर के भाजपा के पूर्व मंडल महामंत्री विशंभर यादव ने मुख्यमंत्री से इच्छा मृत्यु मांगी है। यादव दो साल पहले रायपुर में आयोजित प्रधानमंत्री मोदी की सभा में शामिल होने कार्यकर्ताओं के साथ आ रहे थे, रास्ते में बस दुर्घटना का शिकार हो गयी और यादव बुरी तरह से घायल हो गये। उनका इलाज में घर बार सब बिक गया।

पंडरिया में मारपीट और गाली-गलौज करने वाले तीन आरोपी पुलिस की त्वरित कार्रवाई में गिरफ्तार

पंडरिया, ।

दिनांक 24/08/2025 को प्रार्थी अरुण चंद्रसेन पिता सूरज शरण चंद्रसेन, निवासी वार्ड क्रमांक 4, महामाया चौक, पंडरिया द्वारा थाना पंडरिया में रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि दोपहर लगभग 14:30 बजे वह अपने मित्र नवीन यादव के साथ सरकारी अस्पताल जा रहा था। इसी दौरान पंडरिया बांधा तालाब स्थित शिव मंदिर के पास सामने से आ रहे मोटरसाइकिल सवार सूरज ने उसकी मोटरसाइकिल को ठोकर मार दी। घटना के बाद सूरज ने अपने साथियों कुणाल और छोटा के साथ मिलकर प्रार्थी के साथ अश्लील गाली-गलौज की, जान से मारने की धमकी दी तथा मारपीट की।

रिपोर्ट प्राप्त होने पर वरिष्ठ अधिकारियों को तत्काल अवगत कराया गया। पुलिस अधीक्षक कबीरधाम श्री धर्मेंद्र सिंह के निर्देश पर आरोपियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई हेतु आदेश जारी किए गए। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री पुष्पेंद्र बघेल एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री पंकज पटेल के मार्गदर्शन में अनुविभागीय अधिकारी पुलिस श्री भूपत सिंह धनेश्री के निर्देशन तथा थाना प्रभारी नितिन कुमार तिवारी के नेतृत्व में पुलिस टीम गठित कर आरोपियों की तलाश प्रारंभ की गई।

गठित टीम द्वारा सतत प्रयास करते हुए दिनांक 26/08/2025 को आरोपियों सूरज, कुणाल एवं छोटा को गिरफ्तार कर थाना लाया गया तथा उनके विरुद्ध विधिक कार्रवाई कर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया।

आरोपियों की गिरफ्तारी एवं कार्रवाई में प्रधान आरक्षक श्रवण चंद्रवंशी, प्रधान आरक्षक राजेश्वर केसरिया, आरक्षक द्वारिका चंद्रवंशी, आरक्षक अभिषेक शर्मा, आरक्षक आकाश भोई एवं आरक्षक राजाराम जयसवाल का विशेष योगदान रहा।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक प्रेमेन्द्र अग्रवाल द्वारा अस्मा पब्लिशर्स इण्डिया प्राईवेट लि.,जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित कर तथा 5/756 रामसागरपारा, सिंधी स्कूल के पीछे, स्टेशनरी हाऊस, रायपुर 492001 (छ.ग.) से प्रकाशित। **संपादक प्रेमेन्द्र अग्रवाल ।**
www.lokshakti.in, lokshaktidaily@gmail.com, twitter.com/lokshaktidaily, facebook.com/lokshaktidaily **कार्यकारी संपादक : राजेश अग्रवाल** (किसी भी विवाद पर न्यायालय क्षेत्र रायपुर होगा)